राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 03 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-188 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोनिया गांधी और राहुल से पूछताछ के बाद ईडी ने नेशनल हेरल्ड के दफ्तर पर मारा छापा

नई दिल्ली । नेशनल हेरल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह-सुबह नई दिल्ली स्थित नेशनल हेरल्ड के ऑफिस पर छापा मारा है। ईडी के अफसर सूक्ष्मता से छानबीन में जुट गए हैं। इससे पहले ईडी की टीम ने मनीलॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी से पूछताछ की थी। उनसे पूछताछ के बाद ईडी के अफसरों ने छापा मारा है। नेशनल हेरल्ड केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं ईडी अब केस दर्ज कर सकती है। ईडी के छापे के बीच राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट लिख मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा तानाशाह के हर फरमान से, जनता की आवाज़ दबाने की हर कोशिश से, हमें लड़ना है। आपके लिए, मैं और कांग्रेस पार्टी लड़ते आ रहे हैं, और आगे भी लड़ेंगे। राहुल गांधी ने आगे लिखा है कि केंद्र सरकार चाहती है आप बिना सवाल किए तानाशाह की हर बात को स्वीकार कर लें। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं, इनसे डरने की और तानाशाही सहने की ज़रुरत नहीं है। ये वास्तव डरपोक हैं, वे आपकी ताकत और एकता से डरते हैं, इसलिए उसपर लगातार हमला कर रहे हैं। अगर आप एकजुट होकर इनका सामना करेंगे, तो ये डर जाएंगे। राहुल ने लिखा मेरा आपसे वादा है, न हम डरेंगे और न इन्हें डराने देंगे। नेशनल हेरल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों ही आरोपी हैं। दोनों नेताओं पर सेक्शन 120 (बी) और 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस समय जमानत पर हैं। इससे पहले तीन दिन की पूछताछ में ईडी ने सोनिया से 100 से ज्यादा सवाल पूछे थे। ईडी ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कैसे यंग इंडियन ने एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड (एजेएल) और उसकी संपत्तियों का अधिग्रहण किया। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसकी दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और चंडीगढ़ की कई संपत्तियों को रियायती दर पर बेचने की इजाजत दे दी थी। एक निचली अदालत द्वारा यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आयकर विभाग की जांच का संज्ञान लेने के बाद एजेंसी ने पीएमएलए के आपराधिक प्रावधानों के तहत एक नया मामला दर्ज किया था। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने इस संबंध में 2012 में एक शिकायत दर्ज कराई थी। केस दर्ज होने के दो साल बाद जून 2014 में अदालत ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया। इसी साल अगस्त महीने में प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने संज्ञान लिया और मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले कपिल सिब्बल ईडी की ताकत का दुरुपयोग होगा

मुंबई । राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्तियों और जांच के दायरे का समर्थन वाले उच्चतम न्यायालय के एक 'स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण' फैसले से इसका दुरुपयोग निर्वाचित सरकारों को गिराने और भारत के संघीय ढांचे को 'नष्ट' करने के लिए किया जाएगा। सिब्बल की यह टिप्पणी ईडी द्वारा मुंबई की एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद आई है। उन्होंने ट्वीट किया, 'धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) उच्चतम न्यायालय के एक 'स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण' फैसले द्वारा समर्थित ईडी की शक्तियों और जांच के दायरे का दुरुपयोग निर्वाचित सरकारों को गिराने और भारत के संघीय ढांचे को 'नष्ट' करने के लिए किया जाएगा। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने पिछले पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी, धन शोधन में शामिल संपत्ति की कुर्की, तलाशी और जब्ती से संबंधित ईडी की शक्तियों को बरकरार रखा था। कई याचिकाकर्ताओं ने ईडी की इन शक्तियों को चुनौती दी थी। ईडी ने शिवसेना सांसद संजय राउत के ठिकानों पर छापेमारी की। इसके बाद शाम को उन्हें हिरासत में ले लिया गया। बाद में गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया तो ईडी को 4 अगस्त तक की रिमांड मिल गई। ईडी का आरोप था कि संजय राउत पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे थे।

20 लाख दो, नहीं तो रांची एयरपोर्ट बम से उड़ा देंगे चार दिनों में तीसरी बार मिली धमकी

नई दिल्ली । झारखंड के रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी सोमवार को दी गई। इस बार भी एयरपोर्ट के एक अधिकारी के नंबर पर टेक्स्ट मैसेज से धमकी भेजी गई। मैसेज में लिखा गया है कि यदि 20 लाख रुपये नहीं दिए गए तो वह एयरपोर्ट को बम से उड़ा देगा। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी, परंतु पुलिस को सूचना दे दी गई थी। इससे पहले 28 और 29 जुलाई को भी इसी नंबर से धमकी दी गई थी। धमकी देने वाला अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक ने बताया कि एक बार फिर से रांची एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली है। हो सकता है कि कोई डराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि एयरपोर्ट प्रबंधन एयरपोर्ट और यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट है। इसके अलावा धमकी मामले की भी जांच की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस को लेकर भी एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर है।

सिंगापुर नहीं जा पाए अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मंत्री ने नियम को कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली । दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों की विदेश यात्रा के लिए केंद्र सरकार की अनुमति लेने से संबंधित प्रावधान को उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनौती दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हाल ही में सिंगापुर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। मामले से जुड़े एक वकील ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गहलोत ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत और आधिकारिक यात्राओं की अनुमति देने या अनुमति नहीं देने की केंद्र सरकार की शक्ति के संबंध में उचित दिशा-निर्देश तैयार करने की मांग की है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करे, जिसमें व्यक्तिगत विदेश यात्राओं की अनुमति से संबंधित मांग की गई हो। इस मामले में गहलोत का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने किया। अदालत ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 22 अगस्त को सूचीबद्ध किया है।

जम्मू : 458 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का 32वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना

जम्मू । बर्फानी बाबा की दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए 458 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि 32वें जत्थे में सुबह सभी यात्री कड़ी सुरक्षा के बीच 21 वाहनों के काफिले में यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुए। अधिकारियों ने कहा कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 164 तीर्थयात्री आठ वाहनों में पहले रवाना हुए और इसके बाद पहलगाम आधार शिविर के लिए 294 तीर्थयात्रियों को लेकर 13 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि यात्रा के समापन की तिथि निकट आने और खराब मौसम के कारण तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। यात्रा के दौरान अभी तक 36 लोगों की विभिन्न वजहों से मौत हो चुकी है। इनके अलावा आठ जुलाई को गुफा मंदिर के पास अचानक आई बाढ़ में 15 तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी।

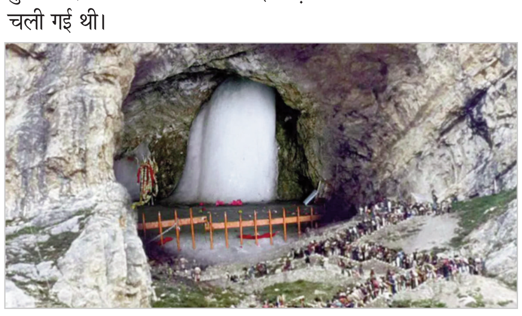

देश में मंकीपॉक्स की निगरानी को लेकर केंद्र सरकार ने गठित किया टास्क फोर्स

नई दिल्ली । देश में मंकीपॉक्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स के मामलों की निगरानी के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स टीम का नेतृत्व नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉक्टर वीके पॉल करेंगे। इसके अन्य सदस्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, फार्मा और बायोटेक के सचिव शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत में मंकीपॉक्स धीरे धीरे अपना पैर पसार रहा है। पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आठ साल के बच्चे में इस खतरनाक बीमारी के लक्षण पाए गए थे। इसके बाद उसके सैंपल को जांच के लिए भेज दिया गया। मंकीपॉक्स को लेकर भारत सरकार बिल्कुल अलर्ट मोड में है। इस बीमारी को लेकर एयरपोर्ट, बंदरगाह सभी जगह निगरानी तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले दिनों मंकीपॉक्स का एक मामला सामने आया था। इसके बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। केरल और दिल्ली में कुल मिलाकर भारत में मंकीपॉक्स के अब तक पांच मामले सामने आ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि केरल में त्रिशूर के एक निजी अस्पताल में 22 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर मंकीपॉक्स के कारण मौत हो गई थी। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को कहा कि 22 वर्षीय युवक की मौत के कारणों की जांच करेंगे, जो हाल में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लौटा था। एक दिन पहले कथित रूप से मंकीपॉक्स के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उसके नमूनों की रिपोर्ट अब तक आई नहीं है। उन्होंने कहा कि मरीज युवा था और उसे कोई और बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी कोई अन्य दिक्कत नहीं थी। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग उसकी मौत के कारणों का पता लगा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में केरल से 13 जुलाई को मंकीपॉक्स का पहला संक्रमित मिला था। केरल के कोल्लम शहर के रहने वाले 35 वर्षीय मरीज ने यूएई से लौटने के बाद 14 जुलाई को मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया था। इसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

9 से लेकर के 15 अगस्त तक तिरंगा को लेकर के विशेष कार्यक्रम का होगा आयोजन

प्रभात फेरी कार्यक्रम में सभी सांसदों को मौजूद रहने को कहा

नई दिल्ली । बीजेपी संसदीय दल की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी सांसदों को तिरंगा को लेकर के पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने का निर्देश दिया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संसदीय दल की बैठक के बाद कहा कि पार्टी 9 से लेकर के 15 अगस्त तक तिरंगा को लेकर के विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि 9 अगस्त से लेकर के 11 अगस्त तक देश के सभी हिस्सों में प्रभात फेरी कार्यक्रम का आयोजन होगा। साथ ही 10 अगस्त से लेकर के 12 अगस्त तक बीजेपी की युवा मोर्चा देश के सभी हिस्सों में तिरंगा बाइक यात्रा आयोजित करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने 13 से 15 अगस्त तक हर नागरिक के घर में तिरंगा लहराने का कार्यक्रम बनाया है। 14 अगस्त को पार्टी विभाजन की विभीषिका का संस्मरण दिवस मनाएगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री जोशी के अनुसार प्रभात फेरी में रघुपति राघव और वंदे मातरम गाया जाएगा और इस तरह के प्रत्येक कार्यक्रमों में सभी सांसदों को शामिल होने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी का कहना है कि कल तिरंगा बाइक यात्रा लाल किले से विजय चौक तक निकलेगी। इस उपराष्ट्रपति झंडा दिखाकर रवाना करने वाले हैं। इसके साथ 5 अगस्त की शाम को सभी सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर के बैठक करने वाले हैं।

लम्पी वायरस तेजी से फैल रहा है अन्य राज्यों में

- गुजरात एवं राजस्थान में हजारों पशुओं की मौत

जयपुर । गुजरात के पशुओं में लम्पी वायरस पाया गया था।इस वायरस के कारण गुजरात में हजारों पशुओं की मौत हो चुकी है। अब यह वायरस राजस्थान भी पहुंच चुका है। राजस्थान के 10 जिलों में इस वायरस के प्रकोप से लगभग 2100 गायों की मौत हो गई है।मीडिया की खबरों के अनुसार अभी तक इस बीमारी से 38 हजार से अधिक पशुओं की मौत हो चुकी है। केंद्र सरकार ने वायरस को लेकर गुजरात और राजस्थान में डॉक्टरों की टीम भेजी है। इस बीमारी की रोकथाम के लिए अभी तक कोई टीका ईजाद नहीं हुआ है।जिसके कारण बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हो रही है।

पात्रा चॉल के पुनर्विकास प्रोजेक्ट में अनियमितता से संजय राउत को मिले एक करोड़ : ईडी

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक विशेष अदालत को बताया कि महाराष्ट्र में शिवसेना सांसद संजय राउत और उनके परिवार को मुंबई में चॉल के पुनर्विकास प्रोजेक्ट में अनियमितता से एक करोड़ रुपये मिले। मालूम हो कि विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) कोर्ट के जस्टिस एमजी देशपांडे ने राउत को 4 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने यह दावा मनी लॉन्ड्रिंग केस में संजय राउत की हिरासत की मांग करते हुए किया था। जांच एजेंसी के मुताबिक यह मामला उपनगरीय गोरेगांव में पात्रा चॉल के पुनर्विकास में अनियमितताओं और वित्तीय संपत्ति के लेनदेन से जुड़ा है, जिसमें उनकी पत्नी और उनके कथित सहयोगी शामिल हैं।

हालांकि, संजय राउत ने दावा किया कि उनके खिलाफ आरोप अस्पष्ट हैं और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से लगाए गए हैं। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी 60 वर्षीय राजनेता को रविवार रात गिरफ्तार किया गया था। दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उनसे छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद गिरफ्तारी हुई। संघीय जांच एजेंसी ने सोमवार को राउत को विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया और आठ दिन की हिरासत की मांग की। लेकिन जज ने बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'आठ दिनों की लंबी हिरासत की जरूरत नहीं है। मेरी राय है कि अगर आरोपी को चार अगस्त तक हिरासत में भेजा जाता है तो यह मकसद के लिहाज से पर्याप्त होगा।'

वहीं, शिवसेना के एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले गुट के विधायक दीपक केसकर ने कहा कि राउत को उनके घर पर मिले 11 लाख रुपये के स्रोत के बारे में ईडी को बताना चाहिए। केसकर ने कहा, 'हर कोई घर पर उचित मात्रा में नकदी रखता है। हमने देखा है कि जब आप यात्रा करते हैं तो आप दो लाख रुपये तक नकद ले जा सकते हैं। अगर राशि इस सीमा से अधिक है तो यह बताना होगा कि किस बैंक से राशि निकाली गई थी।'

अक्टूबर से शुरू होगी दुनिया की सबसे सस्ती 5जी सेवा

नीलामी खत्म होते आवंटित हो जाएगा सेक्ट्रम : जिंदल

नई दिल्ली । दूरसंचार मंत्रालय सलाहकार समिति के सदस्य डॉ सिद्धार्थ जिंदल ने कहा कि इस साल अक्टूबर के आरंभ में देश में 5जी सेवा लांच कर दी जाएगी उन्होंने कहा कि 5जी सेवा देने में सक्षम मोबाइल फोन अभी बाजार में 15000 रुपए तक उपलब्ध हैं जल्द ही 10000 रुपए तक में ऐसे फोन बाजार में उपलब्ध होंगे इस संबंध में मोबाइल फोन निर्माताओं से संपर्क में दूरसंचार मंत्रालय है, जिंदल ने कहा कि भारत में 5जी सेवा दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सस्ती होगी क्योंकि हमारे देश में पहले से ही डाटा की कीमत काफी कम है आम उपभोक्ताओं के लिए दुनिया में मोबाइल इंटरनेट का औसतन मानसिक खर्च 2500 रुपए है जबकि भारत में 200 रू से भी कम है! जिंदल ने कहा कि 5 जी सेवा का मूल्य बाजार तय करेगा इतना जरूर है कि सेवा का मूल्य ऐसा होगा कि लोगों को दिक्कत नहीं हो अभी 5जी सेक्ट्रम की नीलामी चल रही है नीलामी खत्म होते ही कंपनियों को सेक्ट्रम का आवंटन कर दिया जाएगा सेक्ट्रम आवंटन के बाद कंपनियों को उपकरण वगैरा लगाने में कुछ महीने लग जाते हैं इस संबंध में दूरसंचार सेवा प्रदान करने वाले संस्थाओं से पहले ही बात कर चुकी है! देश में चार जगह पर भोपाल, बेंगलुरु, कांडला पोर्ट ,दिल्ली हवाई अड्डा शामिल है !

इस ट्रायल से 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर को पहले से तैयार करने में काफी मदद मिलेगी इस संबंध में ट्राई ने दूरसंचार विभाग को रिपोर्ट भी सौंपी है ! जिंदल ने कहा कि 5जी सेवा आरंभ होने के बाद 4जी महत्त्व बनी रहेगी ! बी एस एन एल 5जी सेवा को शुरुआत करेगी लेकिन इससे पहले बी एस एन एल पूरी तरह से 4जी से शुरू करेगी

अगले दो-तीन साल में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादनो की तरह भारत दूरसंचार उपकरणों का भी बड़ा निर्माता बन जाएगा ! 5जी सेक्ट्रम की नीलामी अब तक सरकार को कुल 1,49,966 करोड की बोलियां मिल चुकी हैं जिंदल ने बताया कि अभी नीलामी प्रक्रिया जारी रहेगी !

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अवसर सूर्य उदय की तरह होते है यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे। - अज्ञात

संपादकीय

आंदोलन के विकल्प तलाशें

देश में लंबे चले किसान आंदोलन के बाद तीन विवादास्पद कृषि कानूनों की वापसी हुई थी। तब माना जा रहा था कि आंदोलन का पटाक्षेप हो गया है। रविवार को फिर पंजाब व हरियाणा में किसान रेल की पटरियों व टोल प्लाजों पर डटे। आरोप था कि केंद्र सरकार ने वायदा खिलाफी की है। एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के बाबत केंद्र सरकार ने जो कमेटी बनायी है उसमें किसानों को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। किसान हरियाणा व पंजाब में कई रेल ट्रैकों पर धरने पर बैठे जिसके चलते बड़ी संख्या में ट्रेनें रद्द की गईं और उनके रूट बदले गये। निस्संदेह, किसानों को अपनी जायज मांगों के लिये आंदोलन करने का अधिकार है। लेकिन सवाल उठता है कि इसके लिये हजारों यात्रियों को क्यों परेशान किया जाये? लोग तमाम जरूरी कार्यों के लिये घर से निकलते हैं। कई नौकरी, उपचार व अन्य जरूरी कार्यों के लिये रेल से सफर करते हैं। लेकिन ऐसे आंदोलन से उनकी मुसीबतों में भारी इजाफा हो जाता है। ऐसे ही जम्मू जाने वाले देश के विभिन्न राज्यों के तीर्थयात्रियों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उन्हें मनमाना किराया वसूलने वाली निजी बसों व टैक्सी संचालकों के लालच का शिकार होना पड़ता है। इसका शिकार गंभीर रोगों का उपचार कराने जाने वाले यात्री भी होते हैं। निस्संदेह, किसी भी आंदोलनकारी को देश के व्यापक हितों का भी ध्यान रखना चाहिए। पहले ही महंगाई व बेरोजगारी से जूझते लाखों लोगों की जीविका ऐसे आंदोलनों से प्रभावित होती है। वहीं आम नागरिकों को सबसे सस्ती यात्रा उपलब्ध कराने वाली भारतीय रेल की आर्थिकी पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ता है। काश, हम जापान आदि राष्ट्रवादी देशों से सबक लेते जो देश में अपना विरोध दर्ज कराने के लिये उत्पादन बढ़ाकर अपनी सरकार को मुश्किल में डाल देते हैं। निस्संदेह, अपनी जायज मांगों को लेकर विरोध करने के अधिकार हमें लोकतांत्रिक व्यवस्था देती है, लेकिन उसकी सार्थकता बनाये रखना हमारा दायित्व है। इसमें दो राय नहीं कि ऐसे मामलों में सत्ताधीशों की उदासीनता की भी बड़ी भूमिका रहती है। क्यों सरकारें समय रहते संवेदनशील ढंग से किसी वर्ग या संगठन की मांगों पर विचार नहीं करतीं? किसानों का आरोप है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाला कानून बनाने को लेकर सरकार ढुलमुल रवैया अपना रही है। उनका आरोप है कि इस बाबत केंद्र सरकार ने जो कमेटी बनायी है उसमें सरकार द्वारा अपनी मनपसंद के लोगों को स्थान दिया गया है। किसान लंबे समय से स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन देश में किसी भी सरकार ने इसे लागू करने की दिशा में ईमानदार पहल नहीं की। मौजूदा समय में कोरोना संकट और यूक्रेन युद्ध के चलते देश में जो महंगाई बढ़ी है उसने किसान की लागत को भी बढ़ाया है। यह एक हकीकत है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान लगे सख्त लॉकडाउन के बाद जब भारतीय अर्थव्यवस्था ढलान पर थी तो केवल कृषि क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को संबल दिया। इतना ही नहीं, कोरोना संकट के दौरान जिन अस्सी करोड़ लोगों को सरकार मुफ्त अनाज देने का ढोल पीटती रही है वह भारतीय किसान की मेहनत का ही फल है। ऐसे में केंद्र सरकार को किसानों की वास्तविक समस्याओं पर उपलब्ध संसाधनों के दायरे में संवेदनशील ढंग से विचार करना चाहिए। ऐसी नौबत क्यों आती है जब अपनी मांगों को लेकर कोई संगठन या वर्ग सड़कों पर उतर आता है तब सरकारों की नींद खुलती है। इसके चलते आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था पर भी इन आंदोलनों का प्रतिकूल असर पड़ता है। निस्संदेह, आंदोलनकारियों को भी आंदोलन के वैकल्पिक रास्ते पर विचार करना चाहिए जिसमें वे सरकारों पर तो दबाव बनायें मगर सार्वजनिक जन-जीवन बाधित न हो।

आज के कार्टुन

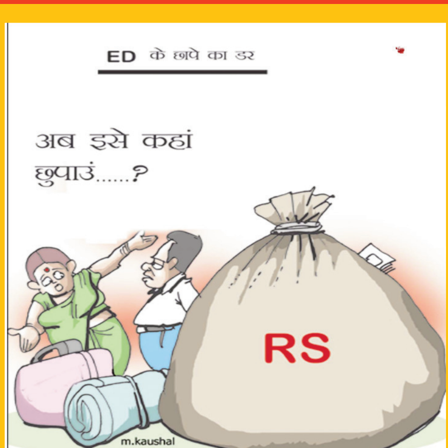

सही धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे 'धर्म' शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। 'धर्म' कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता। क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आन्तरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोकमंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोकमंगल की दिशाए सक्रिय बनाता है। धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्त्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय व अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है। अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में उन्मुख हो जाते हैं। धर्म का यह स्वरूप सार्वभौम, सार्वकालिक एवं सर्वजनीन होता है।

राष्ट्रीयकृत बैंकों का निजीकरण कितना उचित होगा

(लेखक - विनोद तकियावाला)

भारत अपनी आजादी के 75 वर्षो मेंअमृत महोत्सव मना रहा है वही इस अमृत काल में केंद्र सरकार द्वारा कई योजना सरकारी कार्यक्रम व द्ब मनाने में मस्त है। इस उत्सव मे सरकारी खजानों से जनता के पैसे पानी की तरह बहाया जा रहा है,बही बेचारी जनता अपनी जीवन जीविका के जंग जुझ रही है।महंगाई रूपी सुरसा के अपने मुँह फैलायें खडी है खैर।महंगाई पर नियंत्रण करने के बजाय वर्तमान की केन्द्र सरकार अपनी गलत नीति को लागू करने व्यस्त है।पहले वी एस एन एल ,एयर इंडिया,एच ए एल आदि नव रतन कम्पनी के बाद जनता की गढ़ाई कमाई की जमा पूंजी संजोय कर रखने वाले बैक का काली नजर पड़ गई है।बैक की संक्षिप्त जानकारी पर सर सरी निगाह डालते है।इन आर्थिक क्षेत्र पर पैनी नजर व भारतीय अर्थ व्यवस्था के विशेषज्ञ के चहरे चिन्ता की लकीरें दिखाई पड़ रही है।क्योकि भारत मे बैंकों के राष्ट्रीयकरण के 53 वर्षो के बाद सरकार बैंकों के निजीकरण की राह पर चली पड़ी रही है।सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक को छोड़कर सभी पब्लिक सेक्टर के बैंकों का निजीकरण करने जा रही है।इस संदर्भ में नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक के दौरान एसबीआई को छोड़कर अधिकांश सरकारी बैंक,प्राइवेट बैंकों से पिछड़ गए हैं। इस संदर्भ में एन सी ए ई आर की पूनम गुप्ता औरअर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया नेअपने रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि सरकारी बैंकों ने अपने प्राइवेट सेक्टर के बैंकों की तुलना में संपत्ति और इक्विटी पर कम रिटर्न प्राप्त किया है।सरकार आने वाले दिनों में बैंकिंग संशोधन बिल भी लाने की योजना बना रही है,इस बिल के द्वारा सरकार बैंकों में अपना हिस्सा 26त्न तक कम करेगी बैंकों का नियंत्रण अपने हाथ में रखेगी।सरकार शेष बचे बैंकों को एक बार फिर मर्ज करके इनकी संख्या कम करने की सोच रही है ।देश की आजादी के 75 वर्षों और बैंकों के राष्ट्रीयकरण के 53 वर्षो के बाद आज सरकारी बैंकों की संख्या घटकर महज 12 रह गई है।आप को बता दे कि19 जुलाई 1969 को देश के 14 प्रमुख बैंकों का पहली बार राष्ट्रीयकरण किया था।1980 में पुनः 6 बैंक राष्ट्रीयकृत किये गये। 19 जुलाई 2022 को बैंकों के राष्ट्रीयकरण के 53 वर्ष पूरे हो चुके है।दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोप में केंद्रीय बैंक को सरकारों के अधीन करने के विचार ने जन्म लिया उधर बैंक ऑफ़ इंग्लैंड का राष्ट्रीयकरण हुआ और इधर भारतीय रिज़र्व बैंक के राष्ट्रीयकरण की बात उठी जो 1949 में पूरी हो गयी।सन 1955 में इम्पीरियल बैंक,जो बाद में 'स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया' नाम सरकारी बैंक बन गया। लेकिन आजादी के बाद कमर्शियल बैंक सामाजिक उत्थान की प्रक्रिया में सहायक नहीं हो रहे थे।1947से लेकर1955 तक 360 छोटे-मोटे बैंक डूब गए थे जिनमें जनता की जमा पूंजी के करोड़ों रूपया डूब गया।कुछ बैंकों में काला बाज़ारी और जमाखोरी के धंधों में पैसा लगा रहे थे।सरकार ने इसके रोकने के लिए बैको की कमान अपने हाथ में लेने का फैसला किया ताकि वह इन्हें जनता व राष्ट्र के विकास के काम में भी लगा सके।19 जुलाई1969 को देश के 14 प्रमुख बैंकों का पहली बार सरकार द्वारा राष्ट्रीयकरण किया गया था और वर्ष1980 में पुनः 6 बैंक राष्ट्रीयकृत हुए थे।राष्ट्रीयकरण के बाद बैंकों की शाखाओं में बढ़ोतरी हुई।बैक की शाखा शहर से बैंक गांव-देहात में खुलने प्रारम्भ होने लगें।एक आंकड़ों के मुताबिक़ जुलाई 1969 को देश में इन बैंकों की सिर्फ 8322 शाखाएं थीं।2022 के आते आते यहआंकड़ा लगभग 88 हजार का हो गया। देश के विकास में इन राष्ट्रीयकृत बैंकों की अंहम भूमिका रही और इन बैंकों ने कृषि,उद्योग,सड़क, बिजली,टेलिकॉम,शिक्षा,रियल एस्टेट सभी के विकास के लिये अपना भरपूर सहयोग किया है। डी.आर.आई जेसे लघु ऋणों से लेकर बड़े बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए ऋण की व्यवस्था की। कालान्तर सन वर्ष 1980 में बेंकिंग सेक्टर में कंप्यूटर की आवश्यकता महसूस हुई।इसे ध्यान मे रखते हुए 1988 में रिजर्व बैंक ने डा. रंगराजन की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जिसने बैंकों में कंप्यूटर लगाने की सिफारिश की और 1993 में बैंकों में कंप्यूटर लगाने के लिए सहमति बनी और बैंकों में कंप्यूटर लगने शुरू हो गये और समय के साथ साथ उनमे बदलाव होता गया और आज कंप्यूटर के बिना बैंकिंग संभव ही नहीं लगती।हालाँकि कंप्यूटर से बैकिंग तो आसान और 24 घंटे उपलब्ध हो पाई लेकिन इसके कारण बैंकों में रोजगार की संभावनाएं कम हो गईं। वही 1994 में नये प्राइवेट बैंकों का युग प्रारम्भ हुआ।आज देश में 8 न्यू प्राइवेट जनरेशन बैंक,14 ओल्ड जनरेशन प्राइवेट बैंक,11 स्माल फाइनेंस बैंक और 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक काम कर रहे हैं।2018 में सरकार ने इण्डिया पोस्ट पेमेंट बैंक की स्थापना की जिसका मकसद पोस्ट ऑफिस के नेटवर्क का इस्तेमाल करके बेंकिंग को गाँव गाँव तक पहुंचना था।इसके साथ साथ और कई प्राइवेट पेमेंट बैंकों की भी शुरुआत हुई। आर्थिक मामले के विश्लेषज्ञ का मानना है कि बैंकों का राष्ट्रीयकरण न होकर सरकारी करण ज्यादा हुआ।कांग्रेस की सरकार ने बैंकों के बोर्ड में अपने राजनैतिक लोगों को बिठाकर बैंकों का दुरूपयोग किया।जो लोग बोर्ड में बैंकों की निगरानी के लिए बिठाये गये थे उन्होंने अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए बैंकों का भरपूर इस्तेमाल किया। सन 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार के आने के बाद बैंकों से जुड़े फैसले जनधन खाते खोलना, मुद्रा लोन,प्रधान मंत्री बीमा योजना,अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन इन बैंकों ने उत्साह से किया है। सबसे अभूतपूर्व कार्य नोटबन्दी के 54 दिनों मे इन बैंकों ने करके दिखाया।देश के सरकारी तंत्र की कोई भी इकाई(सेना को छोड़कर)36 घंटे के नोटिस पर ऐसा काम नहीं कर सकती जैसा इन सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने कर दिखाया।1991 के आर्थिक संकट के उपरान्त बैंकिंग क्षेत्र के सुधार के दृष्टि से जून 1991 में एम. नरसिंहम की अध्यक्षता में नरसिंहम् समिति अथवा वित्तीय क्षेत्रीय सुधार समिति की स्थापना की गई जिसने अपनी संस्तुतियां दिसंबर 1991 में प्रस्तुत की। नरसिंहम समिति द्वितीय की स्थापना 1998 में हुई।इसने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिये व्यापक स्वायत्तता प्रस्तावित की गई थी।समिति ने बड़े भारतीय बैंकों के विलय के लिये भी सिफारिश की थी।इसी समिति ने नए निजी बैंकों को खोलने का सुझाव दिया जिसके आधार पर 1993 में सरकार ने इसकी अनुमति प्रदान की।भारतीय रिजर्व बैंक की देखरेख में बैंक के बोर्ड को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखने की सलाह भी नरसिंहम् समिति ने दी थी। सरकारी बैंकों का पहला विलय 1993 में न्यू बैंक ऑफ़ इंडिया का पंजाब नेशनल बैंक में हुआ। नरसिंहम् समिति की सिफारशों पर कार्यवाही करते हुए केन्द्र सरकार ने सबसे पहले 2008 में स्टेट बैंक ऑफ़ सौराष्ट्र,2010 में स्टेट बैंक ऑफ़ इंदौर और 2017 में बाकि पांच एसोसिएट बैंकों का स्टेट बैंक ऑफ़ इण्डिया में विलय करने के बाद 2019 में तीन बैंकों, बैंक ऑफ़ बड़ौदा,विजया बैंक और देना बैंक का विलय तथा 1अप्रैल 2020 से 6 बैंक सिंडीकेट बैंक,ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स,यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, इलाहाबाद बैंक, कारपोरेशन बैंक और आंध्रा बैंक का विलय कर दिया है।

वित्तीय चुनौती से जोखिम भरी होती हवाई यात्रा

ऋषभ मिश्रा

हमारे देश में हवाई यात्रा के दौरान विमान में तकनीकी खराबी और इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं अचानक से बढ़ गयी हैं। हाल ही में गो फर्स्ट की दो फ्लाइट में तकनीकी खराबी देखी गयी है। अप्रैल से जून के बीच तकनीकी खराबी की वजह से आठ बड़े हादसे होने से बचे हैं। इनमें कई विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। किसी फ्लाइट के रूट में बदलाव किया गया तो वहीं कई विमानों के इंजन में अचानक से खराबी देखी गयी, जैसे किसी इंजन में आग लग गयी या कोई अन्य समस्या आ गयी। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और डीजीसीए एयरलाइन्स कंपनियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं, जिसमें एयरलाइन्स से पिछले एक महीने में हुई तकनीकी खराबी की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गयी है। ताकि इसके पीछे मौजूद तकनीकी कारणों को समझा जा सके। दरअसल, तकनीकी खराबी एक ऐसा शब्द है जिसमें बड़ी से बड़ी लापरवाही को आसानी से छुपाया जा सकता है। लेकिन इस बार डीजीसीए एक्शन मोड में है और इन कंपनियों को एक आदेश जारी किया गया है। अपनी शुरुआती जांच में डीजीसीए ने पाया कि, लैंडिंग और अगली उड़ान भरने (टेक ऑफ) के बीच विमानों की ठीक तरीके से जांच नहीं हो रही है और ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि विमानों की जांच करने वाले तकनीकी कर्मचारियों की एयरलाइन्स के पास कमी है। इसके साथ ही विमान की सर्विस में काम आने वाले स्पेयर पार्ट्स की भी कमी है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि सभी जगहों पर तकनीकी कामों में अब केवल सर्टिफाइड इंजीनियर ही तैनात किया जाना चाहिए, क्योंकि बहुत बार पैसा बचाने के लिए जूनियर तकनीशियन को वही काम दे दिया जाता है। डीजीसीए को अपनी जांच के दौरान ये भी पता चला कि एयरलाइन्स में एयर मेंटेनेंस इंजीनियर बहुत बार तकनीकी खराबियों का ठीक से पता ही नहीं लगा पाते, जो कि एक गंभीर बात है, जिससे कभी भी कोई भी विमान हादसा हो सकता है। इसलिए डीजीसीए ने एयरलाइन्स को तकनीकी स्टाफ और स्पेयर पार्ट्स की कमी को दूर करने का आदेश जारी किया है। इसी साल 6 जुलाई को डीजीसीए ने तकनीकी खराबी के कारण स्पाइसजेट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में कहा गया है कि स्पाइसजेट सुरक्षित भरोसेमंद हवाई सेवा देने में नाकाम रही है। डीजीसीए ने शुरुआती जांच में पाया कि स्पाइसजेट ने अपने विमानों की मेंटेनेंस अथवा रखरखाव ठीक से नहीं किया। कई विमानों के स्पेयर पार्ट्स में भी कमी पायी गयी। इस रिपोर्ट के आधार पर समझा जा सकता है, कि ये तकनीकी खराबी से ज्यादा बहुत ही गंभीर लापरवाही का मामला है। इसका सबसे बड़ा कारण विमान कर्मचारियों के वेतन में भारी कटौती तथा बहुत से कर्मचारियों का अपनी कंपनियों से नाराज़ होना है। कोरोना महामारी के दौरान 2020-21 में विमान सेवाएं बंद होने के बाद भारत की एयरलाइन्स कंपनियों को हजारों करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इसलिए इन कंपनियों ने अपने कर्मचारियों के वेतन में 40 फ़ीसदी तक की कटौती की थी तथा बहुत से कर्मचारियों को नौकरी से भी निकाल दिया गया था। साथ ही लोगों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया गया था। विरोध होने पर इस साल जनवरी में कुछ वेतनवृद्धि की गई थी। लेकिन कर्मचारी अब भी इससे नाराज़ हैं। केबिन क्रू और पायलट का वेतन भी कोरोना में घटाया गया था, जिसे अभी तक बहाल नहीं किया गया है। अपनी कंपनी से नाराज़ कर्मचारी पूरी ईमानदारी से आखिर कब तक काम कर सकते हैं। खासतौर पर बात जब हवाई जहाज की उड़ान एवं उसकी सुरक्षा की हो, तब ये मामला और भी अधिक संवेदनशील हो जाता है। 2020-21 में एयर इंडिया एयरलाइन्स को 47 हजार करोड़ रुपये का, इंडिगो को 5829 करोड़ रुपये का, विस्तारा को 1609 करोड़ रुपये का, एयर एशिया को 1396 करोड़ रुपये का, गो एयर को 1333 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2022 में एयरलाइन्स कंपनियों का घाटा और बढ़ जाएगा। अब प्रश्न यह है कि ये सभी एयरलाइन्स कंपनियां इस घाटे की भरपाई कहां से करेंगी। जिसके लिए ये कॉस्ट कटिंग अथवा सेवाओं में कटौती का विकल्प चुनती हैं जिसमें कर्मचारियों की संख्या, उनका वेतन और यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं में कटौती की जाती है। ऐसा करके एयरलाइन्स कंपनियां पैसे बचाती हैं, और अब इसी क्रम में एयरलाइन्स कंपनियां विमानों में मेंटेनेंस के साथ भी समझौता कर रही हैं, जो कि आम नागरिकों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

सू-दोकू नवताल -2180

					4	6	3	
	1				6			
	2	8						
	8	3	5					1
2					9	7	4	
						4	5	
			2				1	
	5	7	8					

सू-दोकू -2179 का हल

3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2180

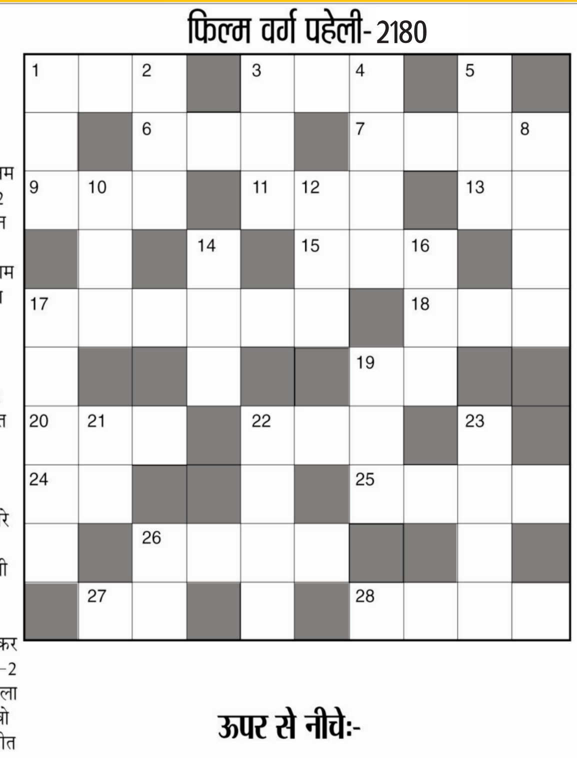

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीव कुमार की 'गापुची गापुची गम गम' गीतवाली फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है क्या' गीत वाली सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
6. तुषार, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले सागर का प्यार पले' गीत वाली फिल्म-4
9. राजेंद्र कुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोक कुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
15. कुमार गौरव, शरनाज पटेल की 'जिंदगी कब तुम को देखा है' गीतवाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा' गीत वाली शम्मी कपूर की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना टंडन की फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली राजेश खन्ना की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा की 'तेरे नैनों के मैं दीप जलाऊंगा' गीत वाली फिल्म-4
27. फिल्म 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम-2
28. बलराज साहनी, लीला नायडू की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना आए' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तों' गीत वाली सुनील दत्त, साधना की फिल्म-3
4. अभी गीफा अवॉर्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला है-4
5. ओम पुरी, रघुवीर यादव, शबाना आजमी, माधुरी दीक्षित की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता शिरोडकर, ऋषिता की फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनील दत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
14. मिथुन चक्रवर्ती, सारिका की 'साथी हैं हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर अब मैंने' गीत वाली रंजन, चित्रा, जयश्री गड़कर की फिल्म-3
17. मिथुन चक्रवर्ती, चंकी पांडे, ऋतुपर्णा, सोमी अली की 'जब मैंने तेरा नाम लिया' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन-3
21. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2179

अ	न	क	ही		फ	की	र		सु
नु		हा		हि	ना		ज	ह	र
रो	श	नी		म्म		मे		स्ती	
ध		कि	स्म	त		रे	खा		गो
	जि	स्म		वा	रि	स		गै	
उ		त	र	ला		न	फ	र	त
पा	ल	की			क	म	र		ह
स			नौ	क	री		हा	सि	ल
ना	श	ज		स	ब	क			का
	खी		श	क		र्ज		डी	

मंगलवार को सोने-चांदी के दामों में नरमी दिखाई

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में भी मंगलवार नरमी देखी जा रही है। ग्लोबल मार्केट में आए उतार-चढ़ाव का मंगलवार को भारतीय वायदा बाजार पर भी असर दिखाई दे रहा है। चांदी का भाव मंगलवार को 58 हजार से नीचे उतर आया। इससे पहले सोने का भाव एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर आज सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 75 रुपये गिरकर 51,351 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। इससे पहले सोने में कारोबार की शुरुआत 51,250 रुपये के स्तर पर खुलकर हुई थी, लेकिन मांग बढ़ने से जल्द ही कीमत 51,300 के पार चली गई। सोना अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.15 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा है। सोने की तर्ज पर मंगलवार चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दिख रही है। मल्टेीकमोडिटी एक्सेचेंज पर मंगलवार को चांदी की वायदा कीमत 395 रुपये गिरकर 57,931 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर आ गई। इससे पहले चांदी में कारोबार की शुरुआत 58,261 रुपये के भाव पर खुलकर हुई थी, लेकिन मांग में नरमी की वजह से कीमत 58 हजार से नीचे आ गई। चांदी अभी पिछले बंद भाव से 0.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रही है।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स जमानत का ईडी और सीबीआई ने किया विरोध

नई दिल्ली । अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला में सीबीआई ने आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत याचिका का विरोध किया है। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल कर कहा है कि मिशेल की जमानत याचिका खारिज की जानी चाहिए। बता दें कि सीबीआई और ईडी दोनों ने जमानत याचिका का विरोध किया है। जेम्स को दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित होने के बाद में दो जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था। सबीआई की दलील है कि वहां सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर गवाहों को प्रभावित कर सकता है। जांच में सहयोग करने को लेकर मिशेल कोर्ट में झूठे दावे कर रहा है। सीबीआई ने कहा कि वहां इटली और भारत दोनों में कानून की प्रक्रिया से फरार हो गया था। गौरतलब है कि 3,600 करोड़ रुपये का कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकाप्टर की खरीद से संबंधित है। मिशेल को फरवरी 2017 में यूएई में गिरफ्तार कर लिया गया था। उनपर पर इस डील में दलाली का आरोप है। वहां ब्रिटिश मूल का नागरिक है। मिशेल हथियारों की खरीद से संबंधित दो कंपनियों में पार्टनर है।

ट्विटर ने भारत में मानदंडों के उल्लंघन को लेकर 43,140 खातों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। कंटेंट ब्लॉकिंग ऑर्डर को लेकर भारत सरकार के साथ कानूनी लड़ाई लड़ रहे ट्विटर ने अपने दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर जून के महीने में भारतीय यूजर्स के 43,140 से अधिक खातों पर प्रतिबंध लगा दिया। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने मंगलवार को अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। ट्विटर ने कहा कि उसने बाल यौन शोषण, गैर-सहमति वाली नग्नता और इसी तरह के कंटेंट के लिए 40,982 खातों को हटा दिया और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 2,158 खातों पर प्रतिबंध लगा दिया। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को 26 मई से 25 जून के बीच अपने स्थानीय शिकायत तंत्र के माध्यम से देश में 724 शिकायतें मिलीं और 122 शिकायतों पर कार्रवाई की। मई में, ट्विटर ने भारतीय यूजर्स के 46,000 से अधिक खातों पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस महीने उसे अपने स्थानीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 1,698 शिकायतें मिली थीं। ट्विटर ने रिपोर्ट में कहा, हालांकि हम अपने मंच पर खुद को व्यक्त करने के लिए हर किसी का स्वागत करते हैं, हम ऐसे व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करते हैं जो दूसरों की आवाज को दबाने के लिए परेशान करता है, धमकी देता है, अमानवीय करता है या डर का इस्तेमाल करता है।

फिर बढ़ सकती है ब्याज दर, कितना बढ़ेगा रेपो रेट?

-रिजर्व बैंक मौद्रिक सीमिति की बैठक आज से

नई दिल्ली ।

महंगाई की मार से देश के लोग बेहाल हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) इस पर काबू पाने के लिए अब तक 0.90 फीसदी ब्याज दर बढ़ा चुका है। 3 अगस्त बुधवार से मौद्रिक सीमिति की बैठक एक बार फिर शुरू हो रही है और इस बार भी रेपो रेट में बड़ी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है। दरअसल, जुलाई महीने में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने महंगाई को काबू में लाने के लिए 0.75 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी की थी। इसके अलावा यूरोपीय और हांगकांग सहित कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी अपनी ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञ भारतीय उद्योग क्षेत्र की गतिविधियां भले ही सुधार के संकेत दे रही हों, लेकिन आरबीआई अपनी नीतियों को सख्त बनाए रख सकता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछली एमपीसी बैठक के बाद कहा था कि इस साल के अंत तक खुदरा महंगाई की दर हमारे तय दायरे 6 फीसदी के अंदर आ जाएगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इस सप्ताह संसद में कहा था कि हमारी पूरी कोशिश खुदरा महंगाई दर को 7 फीसदी से नीचे लाने की है, जो जून में इससे ज्यादा थी। एक्सपर्ट का कहना है कि खुदरा महंगाई दर को नीचे लाने के लिए निश्चित तौर पर रेपो रेट में बढ़ोतरी करनी होगी। रियल एस्टेट की ग्लोबल परामर्श फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और एमडी शिशिर बैजल का कहना है कि चूंकि उपभोक्ता महंगाई दर अभी आरबीआई के तय दायरे से काफी बाहर है, लिहाजा इस बार की बैठक में भी अब 35-40 आधार अंक की बढ़ोतरी देख रहे हैं। ऐसा होने पर मई से अब तक रेपो रेट में 1.30 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाएगी। कैपिटल इकनॉमिक्स के सहायक अर्थशास्त्री एडम होयज का कहना है कि जुलाई में मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी 56.4 अंक के साथ आठ महीने के शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि कारों की बिक्री 16 फीसदी बढ़ी है तो कोर इंडस्ट्री का उत्पादन 12.7 फीसदी पहुंच गया है। जीएसटी वसूली भी जुलाई में 1.49 लाख करोड़ रही। ऐसे में आरबीआई के पास इस बार 0.50 फीसदी रेपो रेट बढ़ाने का मौका दिख रहा है।

अगर रिजर्व बैंक लगातार तीसरी बार रेपो रेट

एशियाई और अमेरिकी बाजारों में गिरावट

टोक्यो । एशियाई और अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मंगलवार को एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार गिरावट के साथ ही सुबह लाल निशान पर खुले। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.29 फीसदी नीचे आया जबकि जापान का निक्केई 1.22 फीसदी की गिरावट पर रहा। इसके अलावा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 0.31 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.01 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार अमेरिकी बाजार में भी गिरावट आई है। सभी प्रमुख एक्सचेंज नुकसान पर बंद हुए। एसएंडपी 500 0.28 फीसदी गिरा , वहीं नेडसेक 0.18 फीसदी नीचे आया। इसी प्रकार डाओ जोंस पर भी 0.14 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा यूरोप के बाजार भी गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 0.03 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ था, जबकि फ्रांस का बाजार 0.18 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ। इसके अलावा लंदन स्टॉक एक्सचेंज में भी 0.13 फीसदी की गिरावट रही।

जोमैटो का कंसॉलिडेटेड घाटा घटकर 185.7 करोड़ रुपये रहा

मुंबई । अप्रैल-जून 2022 तिमाही में जोमैटो का कंसॉलिडेटेड घाटा घटकर 185.7 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की पहली तिमाही के दौरान ये आंकड़ा 356.2 करोड़ रुपये रहा था। जून 2022 से पहले की तिमाही में जोमैटो को 359.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 1,413.9 करोड़ रुपये रहा है। पिछले समान अवधि के दौरान मुकाबले कंपनी के रेवेन्यू में 67.44 फीसदी का इजाफा हुआ है।

तिमाही नतीजों के बाद जोमैटो के शेयर में जोरदार उछाल

जोमैटो के शेयरों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में जोरदार उछाल आया। कंपनी ने अपने जून तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा आधा होकर 186 करोड़ रुपये रह गया है। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी को 360.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 1,582 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 916.6 करोड़ रुपये रही थी। तिमाही नतीजों के बाद बीएसई में कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में 10.67 प्रतिशत के लाभ के साथ 51.80 रुपये पर पहुंच गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 10.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

न्यू मारुति सुजुकी अर्टिगा सात सीटों वाली शानदार कार

-हर महीने बिकती है इसकी हजारों यूनिट

नई दिल्ली ।

एमपीवी सेगमेंट में ऑल न्यू मारुति सुजुकी अर्टिगा सात सीटों वाली शानदार कार है। आप भी अगर इन दिनों नई मारुति अर्टिगा खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो पहले यहां सभी वेरिएंट्स की कीमत और खासियत के साथ ही माइलेज देखे लें। इस 7 सीटर कार की माइलेज भी काफी शानदार है और इस वजह से हर महीने इसकी हजारों यूनिट बिकती है। 2022 मारुति सुजुकी अर्टिगा मार्केट में एलएक्सआई, वीएक्सआई, झेडएक्सआई और झेडएक्सआई+ जैसे 4 ट्रिम लेवल के कुल 9 वेरिएंट में उपलब्ध है। इन वेरियंट्स की कीमतें 8.35 लाख रुपये से लेकर 12.79 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है।

मारुति अर्टिगा में 1462 सीसी तक का इंजन लगा है, जो कि 101.65 बीएचपी तक की पावर जेनरेट करने में सक्षम है। नई मारुति अर्टिगा के सभी वेरिएंट की कीमतों की बात करें तो बेस मॉडल सुजुकी अर्टिगा एलएक्सआई मैनुअल पेट्रोल की कीमत 8.35 लाख रुपये है और इसके बादसुजुकी अर्टिगा वीएक्सआई सीएनजी वेरिएंट आप 10.44 लाख रुपये में खरीद सकते हैं। वहीं, सुजुकी अर्टिगा जेडएक्सआई मैनुअल पेट्रोल वेरिएंट की कीमत 10.59 लाख रुपये है और अगर आपसुजुकी अर्टिगा वीएक्सआई ऑटोमैटिक वेरिएंट खरीदना चाहते हैं तो इसकी कीमत 10.99 लाख रुपये है।सुजुकी अर्टिगा जेडएक्सआई प्लस मैनुअल पेट्रोल वेरिएंट की कीमत 11.29 लाख रुपये है और इसके बाद सुजुकी अर्टिगा जेडएक्सआई सीएनजी वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 11.54 लाख रुपये है। सुजुकी अर्टिगा जेडएक्सआई एटी वेरिएंट 12.09 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है।

वहीं, टॉप वेरिएंट सुजुकी अर्टिगा जेडएक्सआई प्लस एटी वेरिएंट खरीदने के लिए आपको 12.79 लाख रुपये खर्च करने पड़ेंगे।नई मारुति अर्टिगा मैनुअल के साथ ही ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में भी खरीदी जा सकती है। अर्टिगा में काफी खास स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स हैं और नई अर्टिगा के पेट्रोल वेरिएंट्स की माइलेज 20.51 केएमपीएल तक और अर्टिगा सीएनजी की माइलेज 26.11 केएम/केजी है जो कि काफी शानदार है।

वनप्लस एक नई स्मार्टवॉच जल्द ही पेश करेगी

-आपकी हेल्थ और फिटनेस का रखेगी ख्याल

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में वनप्लस एक नई स्मार्टवॉच जल्द ही पेश की जाएगी। हालांकि इसके लॉन्चिंग को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच टिपस्टर मुकुल शर्मा ने वनप्लस नॉर्ड स्मार्टवॉच को लेकर नई जानकारी साझा की है। टिपस्टर ने बताया कि डिवाइस में एक डेडिकेटेड एन हेल्थ ऐप होगा। नई वनप्लस वॉच में सर्कुलर डायल की जगह रेक्टेंगूलर डायल मिलेगा।

टिपस्टर द्वारा शेयर किए गए स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि वॉच में राउंड कॉर्नर के साथ मेट का फ्रेम मिलेगा। वॉच में मेन्यू नैविगेट करने के लिए एक क्राउन बटन भी दिया गया है।इसके अलावा स्क्रीनशॉट में नॉर्ड वॉच में मिलने वाले छह वॉच फेस भी सामने आ गए हैं। वॉच में कस्टम डायल का भी फीचर मिलेगा, जिसकी मदद से यूजर कनेक्टेड डिवाइस में मौजूद किसी भी फोटो को वॉच फेस में कस्टामाइज कर सकते हैं। स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि वनप्लस नॉर्ड वॉच में स्टेप काउंटिंग फीचर और आउटडोर साइकलिंग और आउटडोर वॉकिंग जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इसमें हेल्थ और फिटनेस को मॉनिटर करने के लिए भी इस वॉच में आपको कई जरूरी फीचर मिलेंगे। इसमें कंपनी एसपीओ2 और हार्ट रेट सेंसर के साथ स्लीप ट्रैकिंग मिल सकती है। वर्तमान में वनप्लस नॉर्ड वॉच की लॉन्च डेट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन इसे बीआईएस से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि इसे भारत में 2022 की तीसरी तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नोर्ड वॉच को 5,000 रुपये से 8,000 हजार रुपये के बीच के सेगमेंट में लॉन्च किया जा सकता है। वनप्लस नॉर्ड वॉच बीआईएस यानी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स पर लिस्ट हो चुकी है।

अशोक लेलैंड की बिक्री जुलाई में 58 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई । वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड की निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री जुलाई, 2022 में सालाना आधार पर 58 प्रतिशत बढ़कर 13,625 इकाई पहुंच गई है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने कुल 8,650 वाहनों की ब्रिकी की थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने (ट्रक और बस समेत) मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएंडएचसीवी) की बिक्री 113 प्रतिशत बढ़कर 8,148 इकाई रही। जुलाई, 2021 में कंपनी ने 3,822 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने बताया कि हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) खंड की बिक्री भी पिछले माह 13 प्रतिशत बढ़कर 5,477 इकाई रही। एक साल पहले जुलाई माह में यह 4,828 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में उसकी कुल बिक्री 56 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 12,715 इकाई पर पहुंच गई, जो जुलाई, 2021 में 8,129 इकाई रही थी।

सैमसंग का गैलेक्सी ए23 5जी स्मार्टफोन होगा लांच

- शानदार फीचर्स से लैस है डिवाइस

नई दिल्ली ।

सैमसंग जल्द ही गैलेक्सी ए23 5जी स्मार्टफोन लॉन्च कर सकती है। इस डिवाइस को एक यूरोपीय रिटेलर की वेबसाइट पर देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार यहगैलेक्सी ए23 4जी का 5जी वेरिएंट हो सकता है, जिसे इस साल मार्च में लॉन्च किया गया था। लिस्टिंग के अनुसार गैलेक्सी ए23 5जी को तीन कलर ऑप्शन में लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फोन ब्लैक, लाइट ब्लू और व्हाइट कलर ऑप्शन में उपलब्ध हो सकता है।

गौरतलब है कि सैमसंग ने अभी तक गैलेक्सी ए23 5जी स्मार्टफोन के लॉन्चिंग की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले गैलेक्सी ए23 5जी को मॉडल नंबर एसएम -ए236यू के साथ गीकबेंच लिस्टिंग में भी देखा गया था।लिस्टिंग के अनुसार स्मार्टफोन एक ऑक्टा-कोर चिपसेट के साथ स्नैपड्रैगन 695 द्वारा संचालित होगा और इसे एड्रेनो 619 जीपीयू के साथ जोड़ा जाएगा। गैलेक्सी ए23 5जी एंड्राएड 12 आउट ऑफ द बॉक्स चला सकता है, जो कि वन यूआई 4.1 स्किन पर बेस्ड हो सकता है।

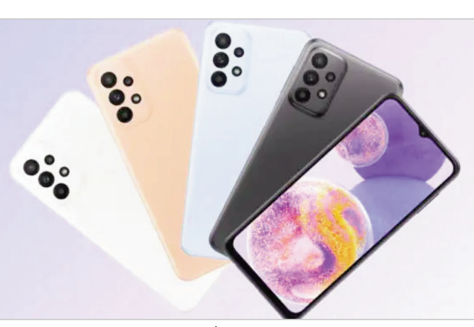

हैंडसेट में 5,000 एमएएच की बैटरी होने की उम्मीद है। सैमसंग गैलेक्सी ए23 5जी में क्वाड रियर कैमरा यूनिट मिलेगा। डिवाइस में 50एमपी प्राइमरी सेंसर, 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड-एंगल सेंसर और दो 2-मेगापिक्सल के मैक्रो और डेप्थ सेंसर मिलने की संभावना है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट पर 13एमपी का कैमरा मिलेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार गैलेक्सी ए23 5जी के 4जीबी + 64जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत 300 यूरो (लगभग 24,000 रुपये) है। सैमसंग गैलेक्सी ए23 5जी 4जीबी+64जीबी स्टोरेज ऑप्शन में उपलब्ध होगा, लेकिन फोन के अन्य स्टोरेज वेरिएंट के बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

टाटा मोटर्स की कुल बिक्री जूलाई में 51.12 प्रतिशत बढ़कर 81,790 इकाई पर

मुंबई ।

टाटा मोटर्स की कुल बिक्री जुलाई, 2022 में सालाना आधार पर 51.12 प्रतिशत बढ़कर 81,790 इकाई हो गई। कंपनी ने कहा कि यात्री वाहनों की मजबूत मांग से बिक्री बढ़ी है। टाटा मोटर्स ने जुलाई, 2021 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 54,119 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसकी कुल घरेलू बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 78,978 इकाई हो गई। कंपनी ने जुलाई, 2021 में 51,981 इकाइयों की बिक्री की थी। वहीं आलोच्य अवधि में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री 57 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 47,505 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 30,185 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसने 4,022 यात्री इलेक्ट्रिक वाहन की ब्रिकी की हैं। पिछले साल जुलाई माह में यह आंकड़ा 604 इकाई का रहा था। टाटा मोटर्स ने कहा कि घरेलू बाजार में उसकी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री जुलाई, 2022 में 31,473 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 21,796 इकाई थी।

7 दिनों तक चली 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी खत्म, सरकार के खाते मे आए 1.5 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली । भारत में अब तक की सबसे बड़ी स्पेक्ट्रम नीलामी सोमवार को खत्म हुई। 7 दिनों तक चली नीलामी में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 5जी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड बिक्री हुई। इस नीलामी में जियो ने अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूत करने के लिए सबसे अधिक बोली लगाई। सूत्रों ने कहा कि अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक कुल 1,50,173 करोड़ रुपये की बोलियां लगाई गईं। अत्यधिक उच्च गति के मोबाइल इंटरनेट संपर्क की पेशकश करने में सक्षम 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की यह राशि पिछले साल बिके 77,815 करोड़ रुपये के 4जी स्पेक्ट्रम से लगभग दोगुना है। यह राशि 2010 में 3जी नीलामी से मिले 50,968.37 करोड़ रुपये के मुकाबले तीन गुना है। रिलायंस जियो ने 4जी की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक तेज गति से संपर्क की पेशकश करने वाले रेडियो तरंगों के लिए सबसे अधिक बोली लगाई।

वहीं जियो के बाद भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया लिमिटेड का स्थान रहा। सूत्रों ने बताया कि अडाणी ग्रुप ने प्राइवेट टेलीकॉम नेटवर्क स्थापित करने के लिए 26 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदा है। सूत्रों ने कहा कि किस कंपनी ने कितना स्पेक्ट्रम खरीदा, इसका ब्यौरा नीलामी के आंकड़ों के पूरी तरह आने के बाद ही पता चलेगा। मोदी सरकार ने 10 बैंड में स्पेक्ट्रम की पेशकश की थी, लेकिन 600 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज और 2300 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम के लिए कोई बोली नहीं मिली। लगभग दो-तिहाई बोलियां 5जी बैंड (3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज) के लिए थीं, जबकि एक-चौथाई से अधिक मांग 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में आई। यह बैंड पिछली दो नीलामियों (2016 और 2021) में बिना बिके रह गया था।

पिछले साल हुई नीलामी में जियो ने 57,122.65 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम लिया था। भारती एयरटेल ने लगभग 18,699 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी और वोडाफोन आइडिया ने 1,993.40 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम खरीदा था। इस साल कम से कम 4.3 लाख करोड़ रुपये के कुल 72 गीगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों को बोली के लिए रखा गया था।

गौरतलब है कि 5जी नया नेटवर्क है, जो पहले से कहीं ज्यादा तेज इंटरनेट स्पीड , अल्ट्रा लो-लेटेंसी ऑफर (बेहद कम रुकावट) करता है। इसमें यूजर को ज्यादा भरोसेमंद बड़ी नेटवर्क क्षमता मिलती है। 4जी के मुकाबले 5जी टेक्नोलॉजी ज्यादा बेहतर इंटरफेस के साथ आएगी।

एप्पल के कॉर्पोरेट कर्मचारियों के पास मास्क पहनने या न पहनने का होगा विकल्प

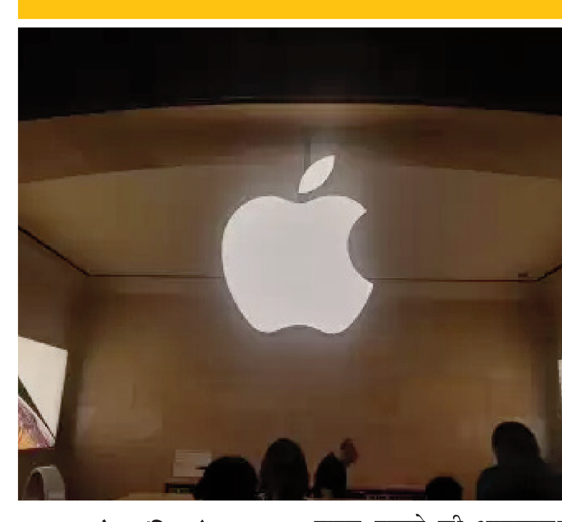

सैन फ्रंसिस्को।

एप्पल के कॉर्पोरेट कार्यालयों के कर्मचारियों के पास अब काम के दौरान फेस मास्क पहनने या न पहनने का विकल्प होगा, क्योंकि टेक दिग्गज कॉर्पोरेट कर्मचारियों के लिए अधिकांश स्थानों पर अपना मास्क मैंडेट छोड़ रहा है। द वर्ज ने बताया कि यह कदम तब आया है, जब अमेरिका कोविड-19 के अत्यधिक पारगम्य बीए.5 वेरिएंट में वृद्धि दर्ज कर रहा है। इसमें कहा गया, हम अपने वर्तमान प्रोटोकॉल में एक अपडेट साझा करने के लिए लिख रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में, अब अधिकांश स्थानों पर फेस मास्क पहनने की आवश्यकता नहीं होगी। हमेशा की तरह, कृपया अपनी साइट के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए नियमित रूप से वेलकम फॉरवर्ड की जांच करें, जिसमें स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों या आपके द्वारा देखी जा सकने वाली किसी भी साइट की आवश्यकताएं शामिल हैं। इसमें कहा गया है, हम मानते हैं कि हर किसी की व्यक्तिगत परिस्थितियां अलग होती हैं। अगर आप ऐसा करने में अधिक सहज महसूस करते हैं तो फेस मास्क पहनना जारी रखने में संकोच न करें। साथ ही, कृपया प्रत्येक व्यक्ति के मास्क पहनने या न पहनने के फैसले का सम्मान करें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय रिले टीम

कैली । बराथ श्रीधर, प्रिया मोहन, कपिल और रूपल चौधरी की भारतीय मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम ने एशियाई जूनियर रिकॉर्ड बनाने के साथ ही अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। इस टीम ने हीट नंबर तीन में तीन मिनट 19.62 सेकंड का समय लेकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही। वहीं अमरीका ने तीन मिनट 18.65 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। फाइनल मुकाबला बुधवार को होगा। इससे पहले भारत ने कीनिया के नैरोबी में 2021 में इस चैंपियनशिप के मिश्रित रिले में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं भारत की ही 15 वर्षीय आशाकिरण बारला ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। आशाकिरण दो मिनट 9.01 सेकंड का समय निकलाकर पहली ही हीट में छठे स्थान पर रहीं।

सिटी ओपन : एकल में वापसी करने वाली वीनस विलियम्स पर भारी पड़ी रेबेका मैरिनो

वाशिंगटन।

लगभग एक साल बाद अपना पहला एकल मैच खेलते हुए पूर्व टेनिस विश्व नंबर 1 वीनस विलियम्स को यहां सिटी ओपन में कनाडा की क्वालीफायर रेबेका मैरिनो के खिलाफ शुरूआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस को सोमवार को 1 घंटे 52 मिनट तक चले मैच में रेबेका से 4-6, 6-1, 6-4 से हार मिली। विलियम्स ने कहा, मुझे मैच में संघर्ष करना पड़ा। मैं वास्तव में तीसरे सेट में अच्छा प्रदर्शन कर पाईं। लेकिन आज का दिन मेरा नहीं था। मैं बस एक और टूर्नामेंट खेल सकती हूं। मेरिनो ने एक कमांडिंग दूसरे सेट में अपने प्रथम-सर्विस अंक का 86 प्रतिशत जीता। यह दर्शाता है कि वह विलियम्स को हराने में कितना सक्षम थी, जैसा कि उसने 12 साल पहले 2010 यूएस ओपन में अपने एकल मैच में किया था। जहां विलियम्स ने दो करीबी सेटों में जीत हासिल की। 31 वर्षीय मेरिनो ने 2014 और 2017 के बीच दौरे से अनुपस्थिति के बाद वापसी की है और उसके परिणाम लगातार उस बिंदु तक आगे बढ़े हैं, जहां उसने 2014 के बाद पहली बार पिछले महीने शीर्ष 100 में जगह बनाई है। 42 वर्षीय विलियम्स ने पिछले अगस्त में शिकागो में हसीह सु-वेई से पहले दौर की हार के बाद से एक भी मैच नहीं खेला और अमेरिकी दिग्गज वर्तमान में बिना रैंक की हैं। विलियम्स ने विंबलडन मिश्रित युगल में जेमी मरे के साथ जोड़ी बनाई, एक जीत हासिल की और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ मैचों में से एक में बेहद करीबी हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत की हरजिंदर को कांस्य मिला

बर्मिंघम ।

भारत की हरजिंदर कौर ने यहां जारी राष्ट्रमंडल खेलों की भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया है। हरजिंदर को महिलाओं के 71 किग्रा भार वर्ग में यह कांस्य पदक मिला है। हरजिंदर ने स्नैच में 93 और क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का भार उठाकर कुल 212 किग्रा भार के साथ यह कांस्य पदक प्राप्त किया। हरजिंदर स्नैच में 90 किग्रा के दौरान अपने पहले प्रयास में असफल रहीं पर दूसरे प्रयास में उन्होंने सफलता पूर्वक इसे उठाने के बाद तीसरे प्रयास में 93 किग्रा का भार उठाया। वहीं इंग्लैंड की साराह डेविस ने स्वर्ण जीतने के साथ ही रिकार्ड बनाया। साराह ने क्लीन एवं जर्ग में 113, 116 और फिर 119 किग्रा वजन उठाया। इस स्पर्धा में साराह ने इन खेलों के तीन नए रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने स्नैच में 103 और क्लीन एवं जर्क में 126 किग्रा के अलावा कुल 229 किग्रा वजन उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया। कनाडा की एलेक्सिस एशवर्थ ने रजत पदक जीता।

ऐश वर्थ ने स्नैच में 91 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 123 किग्राके साथ ही कुल 214 किग्रा वजन उठाया।

लीजेंड्स लीग में गांगुली के साथ मुरलीधरन, ब्रेट ली भी खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली अगले माह होने वाली लीजेंड्स क्रिकेट लीग (एलएलसी) में खेलेंगे। गांगुली के साथ इस लीग में मुथैया मुरलीधरन , ब्रेट ली सहित कई अन्य दिग्गज क्रिकेटर भी खेलते हुए नजर आयेंगे। गांगुली ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि वह इस टूर्नामेंट के एक चैरिटी मैच में भी खेलेंगे। यह मैच भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में होगा। इस लीग में इयोन मॉर्गन, वीरेंद्र सहवाग , मिस्बाह-उल-हक़, जोंटी रोड्स, मिचेल जॉनसन, शेन वॉटसन, रॉस टेलर और डेल स्टेन जैसे खिलाड़ी भी खेलते हुए दिखेंगे। अभी तक कुल 53 खिलाड़ियों के नाम इसके लिए तय हुए हैं। एलएलसी का दूसरा सत्र 17 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ, जोधपुर और कटक या राजकोट में आयोजित होगा। इस लीग का पहला सत्र इसी साल जनवरी में ओमान के मस्कट में खेला गया था। तब तीन टीमों- इंडिया महाराजास, वर्ल्ड जायंट्स और एशिया लायंस ने कुल 7 मैच खेले थे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को इस लीग का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है जबकि रवि शास्त्री इस लीग के कमिश्नर हैं।

भारत के लक्ष्य और सिंधु जीते, मिश्रित टीम बैडमिंटन के फाइनल पहुंची भारतीय टीम

राष्ट्रमण्डल खेल / बर्मिंघम ।

राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इसी के साथ ही भारत ने सिंगापुर को 3-0 से हराकर मिश्रित टीम बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में जगह बनायी है। पुरुष एकल में भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने विश्व चैंपियन लो कीन यू को 21-18, 21-15 से हराया। विश्व रैंकिंग में लक्ष्य 10वें और कीन 9वें नंबर पर हैं। कीन ने पहले गेम में वापसी के भरसक प्रयास किये पर लक्ष्य ने अवसर नहीं दिया और 21-18 से मुकाबला जीत लिया। इसके बाद दूसरे गेम में लक्ष्य ने 21-15 से जीत दर्ज कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने सेमीफाइनल में पहले ही मैच में योंग केइ टैरी ही और एंडू जुन कियान वेक को 21-11, 21-12 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने एकल मैच में 19वीं रैंकिंग वाली जिया मिन यिओ को 21-11, 21-12 से शिकस्त दी।

संक्षिप्त समाचार

घाना के सुले से मुकाबले के लिए तैयार विजेंदर

मुंबई । भारत के स्टार पेशेवर मुक्केबाज मुक्केबाज विजेंदर सिंह अपने छठे पेशेवर मुकाबले में 17 अगस्त को घाना के एलियासु सुले का सामना करेंगे। विजेंदर की घाना के मुक्केबाज से यह भिड़ंत रायपुर में होगी। यह पहली बार है जब रायपुर में मुक्केबाजी का कोई पेशेवर मुकाबला होगा। इस मुकाबले को लेकर उत्साहित विजेंदर ने कहा, 'मैं इस मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित हूं। मैंने इसके लिए काफी अभ्यास किया है और यह जीत की राह पर लौटने का अच्छा अवसर रहेगा। मैं सुले के खिलाफ मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मैं क्या कर सकता हूं। मुझे इस मुकाबले में जीत का भरोसा है। इससे में उसके विजय अभियान को समाप्त कर दूंगा। गौरतलब हैकि सुले अब तक अपने आठ मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज करने में सफल रहे हैं। अब घाना के इस मुक्केबाज का लक्ष्य अपनी जीत के इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। इस मुकाबले को 'द जंगल रंबल' नाम दिया गया है।

ग्लीसन को मिल सकती है टी20 विश्वकप के लिए इंग्लैंड टीम में जगह

बर्मिंघम । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन को उम्मीद है कि अगर वह इसी प्रकार अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने का अवसर मिल सकता है जबकि ग्लीसन एक समय चोटिल होने के कारण संन्यास पर विचार कर रहे थे। ग्लीसन ने दूसरे टी20 मुकाबाले में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे। इस गेंदबाज को उम्मीद है कि वह टी20 विश्वकप के लिए इंग्लैंड की टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे। इस गेंदबाज ने कहा कि टीम में जगह हासिल करना मेरा लक्ष्य नहीं है। मैं केवल शीर्ष स्तर पर खेलना चाहता हूं। मैं क्रिकेट खेलते रहना चाहता हूं और इसका आनंद उठाना चाहता हूं, जितना अधिक हो उतने समय तक खेलना चाहता हूं। दाएं हाथ के इस गेंदबाज को 2020 में कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ था, जिससे उनका करियर खतरे में पड़ गया था।

मैकॉय और ब्रेंडन के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में भारत को हराया

किट्स एवं नेविस ।

ओबेड मैकॉय की शानदार गेंदबाजी के बाद ब्रेंडन किंग की अर्धशतकीय पारी की सहायता से मेजबान वेस्टइंडीज ने यहां खेले गये दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान टीम ने इस सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाज मैकॉय ने 17 रन देकर छह विकेट लिए। वेस्टइंडीज के किसी गेंदबाज का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके बाद किंग की अर्धशतकीय पारी से वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। वहीं किंग ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंद में 8 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 68 रन बनाए। अंतिम ओवरों में विकेटकीपर डेवन थॉमस ने 19 गेंद में नाबाद 31 रन की पारी खेलकर वेस्टइंडीज को जीत दिला दी। थॉमस ने अपनी पारी में 1 चौका और 2 छक्के लगाए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सूर्यकुमार यादव भी 11 रन बनाकर मैकॉय का शिकार बने। भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 31 रन हार्दिक पंड्या ने बनाए। उन्होंने 31 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्के लगाते हुए ही रन बनाए. उनके अलावा ऋषभ पंत ने 12 गेंदों पर 1 चौका और 2 छक्के जड़ते हुए 24 रन बनाये। वहीं, रवींद्र जडेजा ने 30 गेंद खेलीं और 1 छक्के की मदद से 27 रन बनाए। अंतिम ओवर में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 10 रन चाहिये थे इसमें आवेश ने गेंदबाजी की जिसपर इंडीज टीम के थामस से चौक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। वहीं भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह ने 26 रन देकर 1 विकेट लिया जबकि जडेजा ने 3 ओवर में 16 रन देकर 1 विकेट लिया।

साइप्रस के क्लब से खेलेगी भारतीय महिला फुटबॉलर

नई दिल्ली ।

भारत की महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण यूएफा चैम्पियंस लीग में अच्छे प्रदर्शन के लिए तैयार है। इस लीग में खेलने जा रही वह भारत की पहली महिला फुटबॉलर हैं। स्ट्राइकर मनीषा ने हाल ही में साइप्रस के क्लब अपोलोन लेडीज एफसी से करार किया है यह क्लब यूएफा महिला चैम्पियंस लीग के क्वालीफिकेशन मुकाबले में खेलेगा। मनीषा ने पिछले साल ब्राजील के खिलाफ उसी की धरती पर गोल कर सबका ध्यान खींचा था। मनीषा ने कहा, ''चैम्पियंस लीग जैसे टूर्नामेंट में खेलने का सपना हर खिलाड़ी देखता है और इसमें खेलने का असर मिलना हमेशा ही फायदेमंद रहता है। इसमें मिले अनुभवी का लाभ हमेशा मिलेगा , इसलिए मैं अपनी ओर से चैम्पियंस लीग में खेलने और अपनी टीम की सहायता करने के लिये पूरी तरह से तैयार हूं। '' मनीषा के अलावा भारत की ही विंगर डांगमेई ग्रेस भी उज्बेकिस्तान के नासफ एफसी से खेलने जा रही हैं। इससे उत्साहित मनीषा का कहना है कि आने वाले समय में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी विदेशी क्लबों से खेलेंगी। साथ ही कहा कि हमारी लड़कियों ने पिछले कुछ समय के अंदर काफी सुधार किया है। टीम में शामिल कई लड़कियां और इससे बेहतर कर सकती हैं। इस देश में फुटबॉल का स्तर भी बेहतर होता जाएगा।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविस ने अपने समलैंगिक होने का खुलासा किया

वेलिंगटन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज हीथ डेविस ने खुलासा किया है कि वह समलैंगिक हैं। पेशेवर क्रिकेट में हीथ पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने यह बात कबूल की है। इससे पहले कुछ महिला क्रिकेटरों ने समलैंगिक होने की बात स्वीकार की थी। इसमें नताली सीवर और कैथरीन ब्रंट, एमी सैटरथवेट जैसी खिलाड़ी शामिल थीं पर पुरुष वर्ग में अब तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया था। डेविस अभी ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। डेविस ने साल 1994 से लेकर 1997 तक पांच टेस्ट और 11 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले थे। अब वह देश के टेस्ट क्रिकेटरों में पहली बार समलैंगिक बनकर सामने आए हैं। डेविस ने एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगा कि मेरे जीवन का यह हिस्सा था, जिसे मैं छुपा रहा था। डेविस ने कहा कि 1997 में अपने मूल वेलिंगटन से बाहर कदम रखकर ऑकलैंड में घरेलू क्रिकेट खेलने पर उनकी जिंदगी में सुधार आया। हीथ ने कहा, मैं वेलिंगटन में बाहर होने से थोड़ा डरता था मैं इसे छुपाने के लिए मजबूर था। मुझे लगा कि मेरे जीवन का यह हिस्सा था, जिसे मुझे व्यक्त करने की जरूरत थी, मैं इसे छिपाने की वजह से काफी परेशान था। ऑकलैंड में टीम में हर कोई जानता था कि मैं समलैंगिक हूं, लेकिन यह इतना बड़ा मुद्दा नहीं लग रहा था। अब मुझे आजाद महसूस हो रहा है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : मंधाना करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई-

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बर्मिंघम में चल रहे राष्ट्रमंडल गेम्स में पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद आईसीसी टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 42 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रनों की पारी खेली। इसके बाद न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को पछाड़कर आगे बढ़ गईं। मेग लैनिंग रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना वनडे मैचों में शीर्ष क्रम की बल्लेबाज थीं, अतीत में भी टी20 में तीसरे स्थान पर रहीं, 2019 में पहली बार उस स्थान पर पहुंचीं और आखिरी बार पिछले साल अक्टूबर में तीसरे स्थान पर रहीं थीं। न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 64 गेंदों में नाबाद 91 रनों की शानदार पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंचने के लिए दो पायदान की छलांग लगाई है, जबकि ताहलिया मैकग्राथ (एक स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर), भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर (चार स्थान की बढ़त के साथ 14 वें स्थान पर), पाकिस्तान की निदा डार (तीन पायदान की छलांग के साथ 40वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन (पांच पायदान के फायदे से 47वें स्थान पर) ने भी बल्लेबाजों की रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया की हरफनमौला खिलाड़ी एशले गार्डनर भारत के खिलाफ बल्ले से और बारबाडोस के खिलाफ गेंद से चमकने के बाद तीनों सूचियों में आगे बढ़ी हैं, जो आठ टीमों की प्रतियोगिता में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। गार्डनर की शुरूआती मैच में नाबाद 52 रनों की पारी ने उन्हें पांच पायदान की बढ़त के साथ 11वें स्थान पर पहुंचने में मदद की, जबकि वह ऑलराउंडरों में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर काबिज हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में, ऑस्ट्रेलिया की स्पिनर जेस जोनासेन (जिन्होंने भारत के खिलाफ 22 रन देकर चार विकेट लिए) इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन की अगुवाई वाली सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शुट्ट और न्यूजीलैंड की हरफनमौला खिलाड़ी अमेलिया केर एक-एक पायदान के फायदे से सातवें और आठवें स्थान पर हैं, जबकि बारबाडोस की कप्तान हेले मैथ्यूज दो पायदान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं। भारत की मध्यम गति की गेंदबाज रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ 18 रन देकर चार विकेट लेने के बाद 48 पायदान की बड़ी छलांग के साथ 49वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

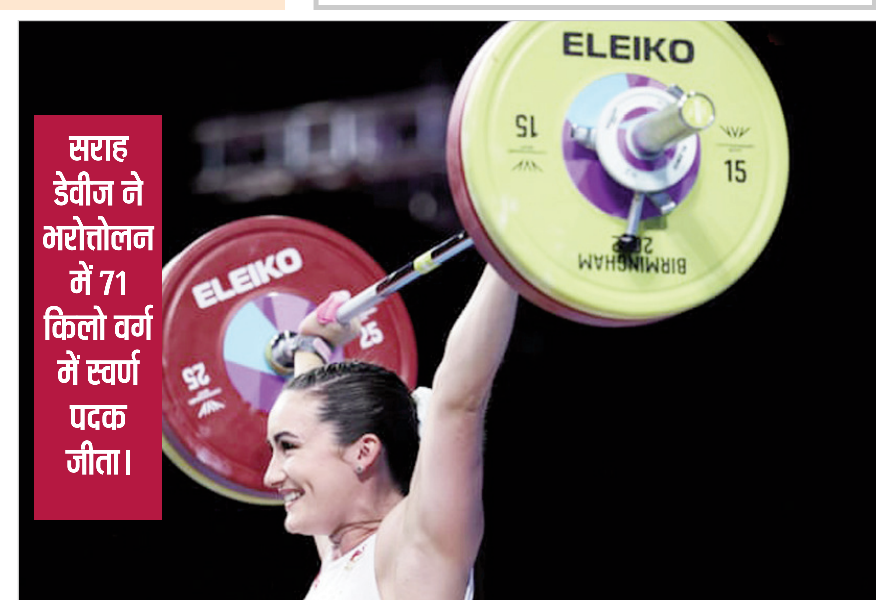

सराह डेवीज ने भरोतोलन में 71 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंटस में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश के विरोध के बाद चीनी विदेश मंत्री की यात्रा तिथियों में किया गया बदलाव

ढाका । चीन के विदेश मंत्री वांग यी का प्रस्तावित बांग्लादेश दौरा विवाद में पड़ गया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने अगस्त की शुरुआत में वांग यी के बांग्लादेश दौरे का ऐलान किया था। बांग्लादेश सरकार से बिना किसी चर्चा के विदेश मंत्री वांग यी के ढाका दौरे की तारीखें तय कर दी थी, लेकिन इस पर बांग्लादेश के कहने के बाद चीन के विदेश मंत्री के यात्रा की तिथियों में बदलाव किया है। दरअसल, चीन ने बांग्लादेश सरकार से बिना विचार विमर्श के अगस्त के पहले हफ्ते में विदेश मंत्री के ढाका दौरे का ऐलान कर दिया था। अब बांग्लादेश सरकार से चर्चा के बाद चीन के विदेश मंत्री का दौरा अस्थाई तौर पर 7-8 अगस्त के आसपास निर्धारित किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने कहा चीन के विदेश मंत्री बांग्लादेश का दौरा करना चाहते हैं। चूंकि, मेरा न्यूयॉर्क और कंबोडिया का दौरा पहले से निर्धारित है, इसलिए मैंने चीन से विदेश मंत्री के बांग्लादेश दौरे की तारीखों में बदलाव करने का आग्रह किया है। बता दें कि वांग यी कंबोडिया और मंगोलिया सहित कुछ आसियान देशों के क्षेत्रीय दौरे के तहत बांग्लादेश जाने का कार्यक्रम है। बीते पांच सालों में चीन के किसी उच्चस्तरीय अधिकारी का यह पहला बांग्लादेश दौरा है। वांग यी बांग्लादेश दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच लंबित कई मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ग्लोबल डेवलपमेंट इनिशिएटिव और ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव भी शामिल है। इससे पहले वांग यी ने नवंबर 2017 में बांग्लादेश का दौरा किया था।

चीन ने पेलोसी की प्रस्तावित ताइवान यात्रा का 'कड़ा जवाब' देने की धमकी दी

बीजिंग। चीन ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान की यात्रा करने की योजना से जुड़ी खबरों पर करीबी नजर रख रहा है। साथ ही चीन ने आगाह किया कि अगर पेलोसी ताइपे की यात्रा करती हैं तो उसकी सेना ''कड़ा जवाब'' देगी और इसके ''गंभीर नतीजे'' भुगतने पड़ेंगे। 'सीएनएन' ने ताइवान और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि बाइडन प्रशासन की चेतावनियों के बावजूद पेलोसी के ताइवान की यात्रा करने की संभावना है। ताइवान की मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि पेलोसी मलेशिया की यात्रा करने के बाद ताइपे पहुंचेंगी और रात वहीं बिताएंगी। पेलोसी की ताइवान यात्रा की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बीजिंग में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हम पेलोसी के कार्यक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं और अगर वह ताइवान की यात्रा करती हैं तो हम कड़ा जवाब देंगे।

पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर के बलूचिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में बाढ़ राहत अभियान में तैनात पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर का हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया है, इसकारण उसके दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। इस हेलीकॉप्टर में 12 कोर के एक शीर्ष कमांडर सहित सेना के छह वरिष्ठ अधिकारी सवार थे।

पाकिस्तान के सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा के महानिदेशक मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने ट्वीट किया, बलूचिस्तान के लासबेला में बाढ़ राहत कार्यों में तैनात पाकिस्तान के सैन्य विमानन के एक हेलीकॉप्टर का एटीसी से संपर्क टूट गया। बलूचिस्तान में बाढ़ राहत कार्यों की निगरानी कर रहे 12 कोर के कमांडर सहित छह लोग उसमें सवार थे। तलाश अभियान अभी जारी है। सेना ने हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की अभी पुष्टि नहीं की है। उसने केवल इतना बताया है कि हेलीकॉप्टर लापता हो गया है। वहीं पुलिस सूत्र ने बताया कि हेलीकॉप्टर लासबेला के एक पहाड़ी क्षेत्र में सस्सी पन्नू नामक स्थान के पास स्पष्ट रूप से दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। हेलीकॉप्टर में कमांडर 12 कोर लेफ्टिनेंट जनरल सरफराज अली, पायलट मेजर सैयद, सह-पायलट मेजर तलहा, तटरक्षक बल के महानिदेशक ब्रिगेडियर अमजद, इंजीनियर ब्रिगेडियर खालिद और चीफ नाइक मुदस्सिर सवार थे।

पुलिस कांस्टेबल की नाक, कान और होंठ काट, वजह जानकार होंगे हैरान

लाहौर । पाकिस्तान में एक व्यक्ति ने पत्नी को ब्लैकमेल कर अवैध संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल की नाक, कान और होंठ काट दिए। पुलिस ने कहा कि लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर झांग जिले में मुख्य आरोपी मुहम्मद इफ्तिखार और उसके साथियों ने कांस्टेबल कासिम हयात को पहले गंभीर यातनाएं दीं, फिर उसकी नाक, कान और होठ को काट दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा, इफ्तिखार को संदेह था कि हयात का उसकी पत्नी के साथ संबंध है। इसके बाद उसने अपने 12 साथियों के साथ मिलकर घर लौटते समय हयात का अपहरण कर सुनसान स्थान पर ले गए, जहां कासिम को गंभीर यातनाएं देकर धारदार हथियार से उसके शरीर के अंग काट दिए। कांस्टेबल को झांग के जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पिछले महीने, इफ्तिखार ने कांस्टेबल हयात के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीसी) की धारा 354 (महिला पर हमला), 384 (जबरन वसूली) और 292 (अश्लीलता) के तहत मामला दर्ज कराया था। इफ्तिखार ने दावा किया था कि हयात ने उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देकर पत्नी को अवैध संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था।

टेलीमार्केटिंग स्कीम से बुजुर्गों को ठगने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी को तीन साल की जेल

वाशिंगटन । भारतीय मूल के एक अमेरिकी को धोखाधड़ी करने वाली टेलीमार्केटिंग स्कीम से वरिष्ठ नागरिकों को ठगने के लिए तीन साल की सजा सुनाई गई है। भारतीय मूल के हिरेनकुमार पी चौधरी को पिछले वर्ष एक कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी ठहराया था। स्थानीय पुलिस ने चौधरी को धोखाधड़ी से कमाए पैसों को वैध बनाने के लिए गिरफ्तार किया था।

इलिनोइस के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी जॉन आर लॉश ने साल 2021 में दोषी करार दिए गए 29 वर्षीय चौधरी को तीन साल की सजा सुनाई है। उन्होंने कहा चौधरी ने टेलीमार्केटिंग स्कीम से बुजुर्ग पीड़ितों से सीधे हासिल धन को वैध बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। अमेरिकी अटॉर्नी जॉन आर लॉश ने कहा चौधरी ने टेलीमार्केटिंग योजना के तहत अमेरिका में कई बैंक खाते खोलने के लिए एक नकली भारतीय पासपोर्ट, झूठे नाम और झूठे पते का इस्तेमाल किया। इस धोखाधड़ी में चौधरी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर खुद को अमेरिकी न्याय विभाग और अन्य एजेंसियो के साथ जुड़े होने का झूठा दावा कर पीड़ितों को ठगा था। आरोपी पीड़ितों को फोन कर यह बताते थे, कि उनकी जानकारियों को चुरा लिया गया है और उनके द्वारा बैंक में जमा किए गए पैसों को दूसरे बैंक में शिफ्ट करना जरूरी है। पीड़ितों में से एक मैसाचुसेट्स की एक सेवानिवृत्त नर्स थी, जिसने चौधरी या अन्य लोगों के खातों में अपने बैंक खातों से कुल 900,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम ट्रांसफर की थी। हिरेनकुमार पी चौधरी फोन कॉल कर लोगों से पैसे ऐंठता और बाद में पीड़ितों को ब्लॉक कर देता था।

पाक संसद की कैंटीन में मिले कॉकरोच, सील की गईं दो कैंटीनें

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की संसद में मौजूद दो कैंटीन में कॉकरोच मिलने की शिकायत के बाद सील कर दिया गया है। इस्लामाबाद जिला प्रशासन अधिकारियों ने संसद भवन स्थित दो कैफेटेरिया पर जांच के दौरान सांसदों ने कैंटीन में फैली गंदगी के बारे में जानगारी दी। सांसदों ने शिकायत में कहा कि उन्हें जो खाना परोसा जाता है, उसने में कई बार कॉकरोच पाए जा चुके हैं। निरीक्षण करने पर अधिकारियों को रसोई में काफी गंदगी और कॉकरोच देखने को मिले। जिसके बाद दो कैंटीन को सील कर दिया गया। यह पहली बार नहीं हुआ है, जब पाकिस्तान की संसद में कॉकरोच देखने को मिले हों। इससे पहले वर्ष 2014 में कैचप की बोतल के अंदर भी एक मरा कॉकरोच पाया गया था। 2019 में भी सांसदों ने इन कैफेटेरिया में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों से संबंधित कई नियमों के उल्लंघन पर सवाल खड़े किए थे। पाकिस्तान के पार्लियामेंट लॉज में चूहों के घूमने की शिकायत आ चुकी थी। संसद की कैंटीन में अक्सर चूहे घूमते दिख जाते हैं। संसद में कैंटीन की बदतर हालत पर कई बार नोटिस जारी हो चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। सील किए गए दोनों कैंटीन ऑपरेटरों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात अधिकारियों ने कही है।

चिली में माइनिंग जोन में एक सिंक होल पाया गया।

अमेरिका- वॉशिंगटन डीसी में फिर फायरिंग, अनेक लोगों के घायल होने की आशंका

वॉशिंगटन । अमेरिका में गन कल्चर का भूत उतरने का नाम नहीं ले रहा अब वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की एक घटना की सूचना मिली है, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की सूचना मिली है। डीसी पुलिस विभाग का कहना है कि गोलीबारी की घटना की जांच चल रही है। वहीं बीते रविवार को अमेरिका में लॉस एंजिलिस के एक पार्क में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि कम से कम पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि जिस समय पार्क में गोलीबारी हुई, उस समय वहां कार शो चल रहा था।

लॉस एंजिलिस के पुलिस विभाग (एलएपीडी) ने बताया कि सान पैड्रो के पेक पार्क में अपराह्न तीन बजकर 50 मिनट पर गोलीबारी हुई। एलएपीडी के मुताबिक गोलीबारी की इस घटना को किसी एक विशेष व्यक्ति ने अंजाम नहीं दिया था। एलएपीडी के कैप्टन कैली मुनीज ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि इस घटना के शिकार लोगों की पहचान अब तक नहीं की जा सकी है। मुनीज ने कहा, 'पेक पार्क में बेसबॉल डायमंड पर हुई गोलीबारी की घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली। हम सबूतों को जुटाने और संभावित रूप से अतिरिक्त पीड़ितों के लिए पार्क को खाली करना जारी रख रहे हैं।'

रूस पर इतना निर्भर क्यों हैं यूरोपीय देश? पुतिन लगाएंगे गैस पर रोक तो बढ़ जाएंगी मुश्किलें

कीव (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अभी भी जारी है। पिछले लगभग 5 महीने से दोनों देशों के बीच वार-पलटवार का दौर चल रहा है। रूस ने फरवरी महीने में ही यूक्रेन में सैन्य अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद से कई देशों ने रूस पर अलग-अलग तरह की पाबंदियों का ऐलान किया था। हालांकि, इसकी वजह से कई देशों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अलग-अलग देशों द्वारा रूस पर लगाई गई पाबंदियों की वजह से यहां की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर भी पड़ा है। हालांकि, अब रूस की ओर से भी ऐसे देशों पर पलटवार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका सबसे ज्यादा असर यूरोपीय देशों पर पड़ने वाला है। हाल के दिनों में रूस ने पोलैंड और बुल्गारिया की गैस सप्लाई पर रोक लगाने का ऐलान कर दिया है। माना जा रहा है कि रूस की यह कार्रवाई अपनी मुद्रा में पेमेंट ना मिलने के बाद हुई है। खबर तो यह भी है कि रूस कई और यूरोपीय देशों में गैस सप्लाई को बंद कर सकता है। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों की चिंता बढ़ी हुई है। आपके लिए यह जानना भी बेहद जरूरी है कि यूरोप के कई देश रूसी गैस पर निर्भर हैं।

यूरोपीय देश क्या करेंगे

सवाल यह भी है कि अगर रूस ने गैस सप्लाई को बंद कर दिया तो यूरोपीय देश क्या करेंगे? रूस ने मध्य जून से ही यूरोपीय देशों में गैस सप्लाई में कटौती करने की शुरुआत कर दी थी। उस वक्त रूस ने वार्षिक मरम्मत का हवाला दिया था। हालांकि, यूरोप के कई देश पहले से ही अनुमान लगा रहे थे कि आने वाले दिनों में रूस गैस की सप्लाई में कटौती कर सकता है। विशेषज्ञों की माने तो आने वाले दिनों में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गैस और तेल के दम पर यूरोपीय देशों पर और दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। यूरोपीय संघ के देशों का भी यह दावा है कि रूस की तरफ से ऐसा उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए किया जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति ने साफ तौर पर कह दिया है कि गैर मित्र देशों को गैस खरीदने के लिए रूसी मुद्रा रूबल में ही पेमेंट करना होगा। हालांकि, यूरोप में उर्जा मुहैया कराने वाली कंपनियां रूस की इस मांग के खिलाफ है। अगर वे ऐसा करते हैं तो कहीं ना कहीं यूरोपीय संघ की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन होगा। हालांकि, खबर यह भी है कि कई देश धीरे-धीरे व्लादिमीर पुतिन की मांग के सामने झुकने को मजबूर हो रहे हैं।

रुचिरा कंबोज संरा में भारत की नयी स्थायी प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभालने न्यूयॉर्क पहुंचीं

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

राजदूत रुचिरा कंबोज संयुक्त राष्ट्र में भारत की नयी स्थायी प्रतिनिधि के रूप में अपना कार्यभार संभालने के लिए सोमवार को न्यूयॉर्क पहुंचीं। वह न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत की पहली महिला दूत होंगी। कंबोज ने सोमवार को ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र में भारत की नामित स्थायी प्रतिनिधि के रूप में अभी-अभी न्यूयॉर्क पहुंची हूं। सुरक्षा परिषद में आज अपने सभी सहयोगी राजदूतों से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

इस नए पद के जरिये अपने देश की सेवा करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। सभारत।' कंबोज के पूर्ववर्ती राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने उनके ट्वीट का जवाब दिया, 'बधाई और आपकी सफलता के लिए शुभकामनाएं रुचिरा!' वहीं, संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला में उप कार्यकारी निदेशक लक्ष्मी पुरी ने ट्वीट किया, 'संरा में महिला नेतृत्व के मामले में भारत के लिए एक नया मील का पत्थर!' उन्होंने आगे लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत की पहली महिला स्थायी प्रतिनिधि बनने के लिए रुचिरा कंबोज को बधाई। श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित की संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता के बाद भारत के लिए ऐतिहासिक पल।

अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया अलकायदा का चीफ अल-जवाहिरी, लादेन के बाद दूसरी बड़ी सफलता

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी अफगानिस्तान में सीआईए ड्रोन हमले में मारा गया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा, आतंकवादी समूह के लिए सबसे बड़ा झटका 2011 में इसके संस्थापक ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद से आतंकियों के लिए यह सबसे बुरी खबर साबित होगी। जवाहिरी अमेरिकी कार्रवाई में ओसामा बिन-लादेन के मारे जाने के बाद अल-कायदा का सरगना बना था। करीब दो दशक तक चलाए अभियान के बाद अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान छोड़ने के 11 महीने बाद एक महत्वपूर्ण आतंकवाद रोधी अभियान में अमेरिका ने यह सफलता हासिल की है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने यह हवाई हमला किया। मामले से जुड़े पांच लोगों ने नाम उजागर ना करने की शर्त पर इस हमले की पुष्टि की। इससे बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी घोषणा की कि जवाहिरी काबुल में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। उन्होंने इसे ''न्याय'' के लिए चलाया गया अभियान बताया। जवाहिरी ए मिस्र के सर्जन, जिनके सिर पर 25 मिलियन का इनाम था, ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों में समन्वय करने में मदद की, जिसमें लगभग 3,000 लोग मारे गए थे। अमेरिकी अधिकारियों में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि सीआईए ने रविवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में ड्रोन हमला किया। अमेरिकी अधिकारियों में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि सीआईए ने रविवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में ड्रोन हमला किया।

ऑस्ट्रेलिया में एलिजाबेथ द्वितीय को लेकर मचा बवाल, सिनेटर ने महरानी को कहा- उपनिवेशवादी

कोलंबो (एजेंसी)।

विश्व के इतिहास में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद ये दो शब्द ही दुनिया चला रहे थे। साम्राज्यवाद ताकत का पर्यायवाची था और उपनिवेशवाद कमजोरी का। वक्त बदला दो विश्व युद्ध हो गये और अब लोकतंत्र जैसी व्यवस्था भी विश्व में कई बड़े देशों ने अपनायी हैं ऐसे में अब साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद शब्द को नकारात्म रूप से देखा जाने लगा हैं। अब एक जबरदस्त हंगामा ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिला जब स्वदेशी ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर लिडिया थोर्प शपथ ले रही थी तब उन्होंने ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को एक उपनिवेशवादी के रूप में संदर्भित किया। और निर्वाचित सांसद के रूप में पद की शपथ लेते हुए अनिच्छा से निष्ठा की शपथ ली।

ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर लिडिया ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को कहा उपनिवेशवादी

96 वर्षीय रानी ऑस्ट्रेलिया की राज्य की प्रमुख हैं उन्हीं को साक्षी मानकर शपत ली जाती है ऐसे में थोर्प ने विरोध अपना विरोध प्रकट करते हुए सदम में मुठ्ठी उठाकर रानी का विरोध किया और अनिच्छा ने निष्ठा की शपथ ली। ग्रीन्स सीनेटर थोर्प ने कहा, 'मैं संप्रभु, लिडिया थोर्प, पूरी निष्ठा और ईमानदारी से शपथ लेती हूं कि मैं वफादार रहूंगी और मैं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के उपनिवेश के प्रति सच्ची निष्ठा रखती हूं।'

इसके बाद चैंबर की अध्यक्ष सू लाइन्स ने उन्हें फटकार लगाई। सू लाइन्स ने कहा,'सीनेटर थोर्प, सीनेटर थोर्प, आपको कार्ड पर छपी शपथ का पाठ करना आवश्यक है।' ग्रीन्स की सीनेटर लिडिया थोर्प को रानी को 'उपनिवेशक' के रूप में उपसर्ग करने के बाद सीनेट में अपनी निष्ठा की शपथ फिर से देनी पड़ी। आवश्यकतानुसार प्रतिज्ञा का पाठ करने के बाद, थोर्पे ने एक ट्वीट पोस्ट करते हुए कहा, 'संप्रभुता कभी नहीं झुकी।'

क्या ब्रिटेन भारत को कोहिनूर वापस लौटाने वाला है? ग्रीस के साथ हुए 'पार्थेनन साझेदारी' से जगी उम्मीद

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के चर्चित कॉमेडियन रसेल हावर्ड ने एक बार कहा था कि 'The british museum is great for seeing how e&cellent we were at stealing things' यानी ब्रिटिश संग्रहालय इस बात का सबसे शानदार उदाहरण है कि हम चीजें चुराने में कितने माहिर थे। ब्रिटिश म्यूजियम की जो ऐसी कलाकृतियां से भरा पड़ा है जिसे दूसरे देशों से या तो चुरा लिया गया था या गलत तरीके से लिया गया था। लेकिन यूनाइटेड किंगडम ने लगभग 200 वर्षों के बाद ग्रीस के एल्गिन मार्बल्स की वापसी का प्रस्ताव दिया है। ब्रिटिश संग्रहालय के उप निदेशक ने ग्रीस के साथ एक 'पार्थेनन साझेदारी' का प्रस्ताव रखा है जिसने 200 से अधिक वर्षों के बाद एथेंस में पत्थरों की वापसी की उम्मीद जगा दी है। इस प्रक्रिया के बाद ब्रिटेन से उन भारतीय कलाकृतियों की वापसी की पहल करने की भी उम्मीद की जाने लगी है जिन्हें औपनिवेशिक काल के दौरान भारत से अपने साथ ले गए थे।

एल्गिन पत्थर पांचवीं शताब्दी से ग्रीक संस्कृति का एक सबसे बड़ा उदाहरण है। संडे टाइम्स कल्चर पत्रिका के साथ एक साक्षात्कार में जोनाथन विलियम्स ने कहा कि ब्रिटिश संग्रहालय मार्बल्स को लेकर चले आ रहे विवाद को खत्म करना चाहता है। विलियम्स ने कहा कि ग्रीस में हमारे दोस्तों और सहयोगियों के साथ 'पार्थेनन साझेदारी' के तहत ये कदम उठाया जाएगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि वास्तव में गतिशील और सकारात्मक बातचीत के साथ एक साथ काम करने के नए तरीके मिल सकते हैं। 19वीं शताब्दी में ऑटोमन एम्पायर के ब्रिटिश अबेंसडर लार्ड एल्गीनिन के द्वारा ब्रिटेन लाया गया था। तब से ही ये विवाद का एक बड़ा केंद्र रहा। ये पत्थर ब्रिटिश म्युजियम में प्रदर्शित किए जाते रहे। लेकिन हालिया वर्षों में ग्रीक की सरकार की तरफ से उसकी वापसी की मांग जोर पकड़ने लगी। जिसके बाद ब्रिटिश म्युजियम के डिप्टी डायरेक्टर विलियम्स के बयान से इसमें एक नया आयाम खुलने वाला है। ब्रिटिश म्युजियम की तरफ से ग्रीक को एल्गिन पत्थर दिए जाने की बात कहे जाने के बाद अब बाकी कलाकृतियों की भी क्या वतन वापसी हो पाएगी?

भारत से चुराए गए और अब ब्रिटेन में रखे गए साज-ओ-सामान की सूची बहुत लंबी है। इन कलाकृतियों में सबसे चर्चित नाम कोहिनूर हीरे का है। दुनिया में हर चीज की एक कीमत होती है कोहिनूर एक ऐसी चीज है जिसकी आज तक कोई कीमत लगा नहीं पाया। इस पर भारत के अलावा, पाकिस्तान और ईरान भी दावा करते रहे हैं। साल 2016 में भारत सरकार ने फिर से ब्रिटिश सरकार से कोहिनूर समेत सारी कलाकृतियां लौटाने का आग्रह किया था। इसके जवाब में ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने लिखा, ÷ब्रिटिश म्यूजियम एक्ट 1963 के तहत राष्ट्रीय संग्रहालयों से चीजें हटाना वर्जित है। लेकिन ग्रीस के साथ हालिया समझौते के बाद कोहिनूर के भारत लौटने की थोड़ी सी ही सही लेकिन आस तो जरूर जगी है। वैसे भी हम आजादी के 75वें साल में भी इतिहास उसी दहलीज पर खड़ा है कि कब कोहिनूर वापस भारत में लौटेगा।

19 सिरप और टेबलेट्स को बंद करने की तैयारी में मोदी सरकार

कॉकटेल मेडिसिन की श्रेणी में

नई दिल्ली ।

केंद्र कुछ कफ सिरप और दवाओं पर जल्द ही प्रतिबंध लगा सकती है। ये ऐसी दवाएं हैं, जिनमें एक सिरप या टेबलेट में एक से ज्यादा ड्रग होती हैं। इन्हें फिक्स्ड ड्रग कम्बिनेशन्स (एफडीसीएस) कहा जाता है। आम भाषा में इन्हें कॉकटेल मेडिसिन कह सकते है। विकसित देशों में पहले से ही एक से ज्यादा ड्रग्स को मिलाकर तैयार की गई दवाओं को बेचने पर प्रतिबंध है। अब भारत ने भी इसतरह की 19 सिरप और टेबलेट्स की सूची बनाई है, जिन पर जल्द ही बैन लग सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और हेड डॉ. एमएस भाटिया की अध्यक्षता में बनी विशेषज्ञ कमेटी ने 19 एफडीसीएस की लिस्ट सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन को सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि यह लिस्ट स्वास्थ्य मंत्रालय को दे दी गई है। जल्द ही इस पर फैसला होने की उम्मीद है। एक से ज्यादा ड्रग का मिश्रण वाले सिरप या टैबलेट को एफडीसी या कॉकटेल मेडिसिन कहते है। कॉकटेल मेडिसिन के बढ़ते प्रचलन के कुछ दुष्परिणाम सामने आए हैं। खासकर एंटीबॉयोटिक कॉकटेल दवाओं के ज्यादा इस्तेमाल से एंटीबॉयोटिक के बेअसर होने का खतरा बढ़ गया है। इस कारण है कि मोदी सरकार ने कॉकटेल दवाओं को लेकर अब सख्त रुख अपनाया है।

विशेषज्ञ समिति ने जिन 19 एफडीसीएस की सूची बनाई है, उसमें सूमो, निसिप, डी कोल्ड टोटल, विक्स एक्शन 500 एडवांस्ड, कफ सिरप टेडीकॉफ, ग्रिलिंक्टस, कोडिस्टार, टॉसेक्स, एस्कोरिल सी, पिरिटोन एक्सपेक्टोरेंट और एंटीबायोटिक क्लिंडामाइसिन शामिल हैं। इन दवाओं का निर्माण करने वाली फार्मा कंपनियों में अल्केम, सिप्ला, रेकिट बेंकिजर, प्रॉक्टर एंड गैंबल, मैनकाइंड फार्मा, एबॉट, ग्लेनमार्क और ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि 19 एफडीसी की लिस्ट तैयार है, जिसमें बहुत से कफ सिरप शामिल है। अगर अभी बैन लगा दिया जाता है, तब मार्केट से ज्यादातर कफ सिरप बाहर हो जाएंगे और ब्रांडेड कफ सिरप की शॉर्टेज होगी। इसकारण सरकार कुछ एफडीसी को अभी बेचने की छूट देने पर विचार कर रही है। दो या तीन बड़े कॉम्बिनेशन्स बेचने पर छूट दी जा सकती है। टिक्सिलिक्स सिरप और कोरेक्स पर अभी बैन नहीं लगेगा।

हरियाणा में कांग्रेस ने लगाई वादों की झड़ी

पंचकूला ।

हरियाणा में कांग्रेस ने चिंतन शिविर किया, जिसमें पार्टी से ज्यादा चुनाव को लेकर बात हुई। यही नहीं 2024 के आम चुनाव और फिर उसके बाद विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस लीडरशिप की ओर से कई बड़े वादे भी किए गए। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि यदि कांग्रेस की सरकार राज्य में आती है तो बुजुर्गों को 6,000 रुपये महीने की पेंशन दी जाएगी। इसके अलावा 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 100 गज तक का प्लॉट भी गरीबों को मकान बनाने के लिए मिलेगा। खासतौर पर मकान बनाने का ऐलान सबसे बड़ा और अपनी तरह का पहला वादा है। अब तक किसी भी राज्य में किसी दल ने इस तरह का ऐलान नहीं किया था। पंचकूला के एक होटल में आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए भूपिंदर सिंह हुड्डा ने जातिगत जनगणना कराए जाने का भी समर्थन किया। उन्होंने ओबीसी क्रीमी लेयर में भी इजाफा किए जाने का ऐलान किया। हुड्डा ने कहा कि यह सीमा 6 से बढ़ाकर 10 लाख तक की जानी चाहिए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि हम भाजपा और जजपा की सरकार को विदा करने तक चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की नई टीम का अगस्त में ही ऐलान कर दिया जाएगा। राज्यसभा सांसद दीपेंदर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह से भरने के लिए उन तक पहुंचने के कार्यक्रम होने चाहिए। यही नहीं बैठक के दौरान किसानों के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। रघबीर कादियान ने कहा कि सरकार को खेती से जुड़े मुद्दों के हल निकालने चाहिए। खासतौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देनी चाहिए। वहीं विधायक गीता भुक्कल ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को लेकर प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार में इन वर्गों की उपेक्षा हुई है। कादियान ने कहा कि इस सरकार के दौर में विधायक तक सुरक्षित नहीं हैं। इससे पता चलता है कि इस सरकार के एजेंडे में लोगों की सुरक्षा करना नहीं है। डीएसपी रैंक तक के अधिकारी दिनदहाड़े मार दिए जा रहे हैं।

पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 13,734 नए मामले आए

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 13,734 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,40,50,009 पहुंच गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,39,792 हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 27 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,430 हो गई।वहीं कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,39,792 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.32 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 4,197 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.49 प्रतिशत है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

माता-पिता सरकारी नौकरी में है तो उसका वारिस अनुकंपा नियुक्ति पाने का हकदार नहीं होगा : यूपी सरकार

लखनऊ ।

माता-पिता यदि सरकारी नौकरी में है तो उसका वारिस अनुकंपा पर नियुक्ति पाने के लिए हकदार नहीं होगा। यह आदेश यूपी की योगी सरकार ने जारी किया है। मृतक आश्रित कोटे पर नौकरी पाने वालों को इसके लिए शपथ पत्र देना होगा कि मौजूदा अभिभावक सरकारी नौकरी में नहीं है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में स्पष्टीकरण आदेश जारी करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को इसे भेज दिया है। इसमें कहा गया है कि जनवरी 1999 को इस संबंध में स्पष्ट नीति जारी की जा चुकी है। इसके मुताबिक माता-पिता यदि दोनों सरकारी नौकरी में हैं और इनमें से किसी एक की मृत्यु हो जाती है, ऐसी स्थिति में उसका वारिस मृतक आश्रित कोटे पर नौकरी पाने के लिए हकदार नहीं होगा। कार्मिक विभाग ने कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है।

केजरीवाल ने गुजरात के लोगों को दी रोज़गार की गारंटी

नई दिल्ली ।

गुजरात के दौरे पर गये आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजकोट में एक जनसभा को संबोधित किया और इस दौरान गुजरात के लोगों को दूसरी गारंटी भी दी। इस बार अरविंद केजरीवाल ने रोजगार की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह गुजरात में एक बहुत बड़ा हादसा हुआ। जिस दिन यह हादसा हुआ, उसके अगले दिन जो पीड़ित अस्पताल में भर्ती थे, मैं उन सब लोगों से मिलने के लिए गया था। उनसे बात करके बहुत दिल दुखी हुआ। मुझे पता चला है कि अभी तक शायद गुजरात के मुख्यमंत्री उनसे मिलने के लिए नहीं गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में गैर कानूनी शराब का हजारों करोड़ रुपए का धंधा है। यह किसका धंधा है? गुजरात में इन लोगों ने कई सालों से नशाबंदी के नाम पर हजारों करोड़ रुपए का गैर कानूनी धंधा कर रखा है। जो लोग अपने बच्चों को जहरीली शराब पिलाना चाहते हैं, वो इनको वोट दे देना और जो लोग अपने बच्चों को रोजगार और शिक्षा देना चाहते हैं, आम आदमी पार्टी को वोट दे देना। अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान जनता को रोजगार की गारंटी का ऐलान करते हुए कहा, 'मैं रोजगार में पांच बातों की गारंटी दे रहा हूं। पहला, पांच साल के अंदर हर बेरोजगार युवा को रोजगार देंगे। मैं दिल्ली में करके आया हूं। दिल्ली में पिछले पांच साल के अंदर मैंने 12 लाख बच्चों को रोजगार दिया है। मेरी नीयत भी साफ है और पढ़ा लिखा आदमी हूं। मैंने अपने साथ मंत्रियों के साथ बैठक कर मैंने प्रण लिया है कि अगले पांच साल में दिल्ली में 20 लाख और रोजगार दूंगा। दूसरा, ऐसा नहीं है कि सरकार बनेगी और अगले दिन सबको रोजगार मिल जाएगा। इसमें थोड़ा समय लगेगा। जब तक रोजगार नहीं मिलेगा, तब तक हर बेरोजगार युवा को तीन हजार रुपए महीना बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। तीसरा, 10 लाख सरकारी नौकरियां निकालेंगे। चौथा, गुजरात में सारे पेपर लीक हो जाते हैं। उससे सारे बच्चे बहुत परेशान हैं। हम पेपर लीक के खिलाफ कानून बनाएंगे। अब कोई पेपर लीक नहीं होने देंगे। पांचवां, सहकारिता के क्षेत्र में किसी नेता की सिफारिश और घूसखोरी से नौकरी मिलती है। सहकारिता के क्षेत्र में जितनी नौकरियां हैं, वो उसका सिस्टम ठीक करेंगे और पारदर्शी करेंगे और आम युवाओं को नौकरी मिलेगी, सिफारिश व घूसखोरी से नौकरी नहीं मिलेगी।

एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के पहले पहिये के सामने पहुंच गई एक टैक्सी बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली ।

पटना रवाना होने के लिए टर्मिनल के एयर साइड में खड़े विमान के अगले हिस्से नोज के नीचे अचानक एक कार के आ जाने से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर असहज स्थिति उत्पन्न हो गई। गनीमत यह रही कि कार से विमान का कोई हिस्सा नहीं टकराया। इस पूरी घटना पर नागरिक विमानन महानिदेशालय ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। प्लेन के पहिए के आगे आ गई कार, दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ी लापरवाही पटना के लिए उड़ान भरने की तैयारी में जुटे इंडिगो के विमान में घटना के समय यात्री भी मौजूद थे। इंडिगो के तकनीशियन विमान पर नजर रख ही रहे थे कि अचानक गो एयर के तकनीशियन के आवागमन में प्रयुक्त होने वाली कार अचानक यहां पहुंची। यह कार तेज गति से सीधे विमान की नोज के नीचे आकर रुकी। किसी दूसरी विमानन कंपनी की कार यहां क्यों पहुंची, इसे लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसा जानबूझकर किया गया या फिर भूल से ऐसा हुआ। इसकी जांच की जा रही है। इस मामले में अभी न तो इंडिगो और न ही गो एयर प्रबंधन की ओर से कुछ कहा जा रहा है। उधर विमान की नोज के नीचे खड़ी कार से जुड़ा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। इस बारे में बताया गया कि विमान वीटी-आईटीजे को स्टैंड नंबर टर्मिनल टी-2 पर खड़ा किया गया था। इसी दौरान एक गो ग्राउंड मारुति, स्विफ्ट डिजायर वाहन इस विमान के करीब आ गया और विमान के नाक क्षेत्र के नीचे रुक गया। विमान को कोई नुकसान नहीं हुआ या किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई। शराब के सेवन के लिए ड्राइवर का ब्रेथ एनालाइज़र (बीए) परीक्षण किया गया है और यह नकारात्मक पाया गया है। विमान निर्धारित प्रस्थान समय के अनुसार चला गया आगे की जांच डीएएस-एनआर के कार्यालय द्वारा की जा रही है।

एयर इंडिया के पायलटों को मिलेगी 65 की उम्र तक प्लेन उड़ाने की अनुमति

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया ने फैसला लिया है कि वह अपने पायलट्स को 65 की उम्र तक उड़ान भरने की अनुमति देगी। बताया गया है कि एयरलाइन अपने फ्लीट एक्सपेंशन प्लान पर काम कर रही है। एयर इंडिया के पायलट्स अभी तक 58 साल की आयु में रिटायर हो जाते हैं। बता दें कि डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन पायलट्स को 65 साल की उम्र तक उड़ान भर सकने की अनुमति देता है। एविएशन इंडस्ट्री की ज्यादातर एयरलाइन्स में भी यही प्रैक्टिस है कि पायलट्स 65 साल की आयु तक विमान उड़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एयर इंडिया में इस बात पर विचार चल रहा है कि 200 से अधिक और विमान खरीदे जाएं। इनमें से 70 फीसदी नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट हो सकते हैं। एयरलाइन के दस्तावेज़ों में कहा गया है कि अपने बेड़े के लिए भविष्य की विस्तार योजनाओं को देखते हुए वर्क-फोर्स की आवश्यकता को पूरा करना आवश्यक है। ÷हमारी आवश्यकता को पूरा करने के लिए एयर इंडिया में हमारे वर्तमान प्रशिक्षित पायलटों को सेवाएं सेवानिवृत्ति के बाद 5 साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर बढ़ाकर 65 साल तक करने का प्रस्ताव है उड़ान सुरक्षा और सतर्कता के संबंध में पायलटों के पिछले रिकॉर्ड की समीक्षा करने के लिए जिम्मेदार होगी। विस्तृत समीक्षा के बाद यह कमेटी मानव संसाधन विभाग के प्रमुख को रिटायरमेंट के बाद कॉन्ट्रैक्ट जारी करने के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए नामों की सिफारिश करेगी। कहा गया है कि अनुबंध 5 साल की अवधि के लिए जारी किया जाएगा, जिसे 65 साल तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही इसमें कहा गया है कि 63 वर्ष की आयु में पांच वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने पर उनके प्रदर्शन की जांच करने पर कमेटी इसे 65 वर्ष की आयु तक बढ़ाने पर विचार करेगी

लाल किले से संसद भवन तक सांसद निकालेंगे 'तिरंगा बाइक रैली' : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली ।

घर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय ने बुधवार को सांसदों के लिए एक 'तिरंगा बाइक रैली' का आयोजन किया है। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को दी। जोशी ने सभी राजनीतिक दलों के सांसदों से इस रैली में सम्मिलित होने का आग्रह किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसदीय दल की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा कि यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है ना कि भाजपा की ओर से। उन्होंने सभी दलों के सांसदों से इस कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया और उन्हें सुबह साढ़े आठ बजे लाल किला पहुंचने को कहा। संसदीय दल की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर नौ अगस्त से 15 अगस्त के बीच आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। उन्होंने 'हर घर तिरंगा' अभियान पर खासा जोर दिया और भाजपा सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में लोगों को इससे जोड़ने का आग्रह किया।

नड्डा ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को लोकप्रिय बनाने के लिए पार्टी नेताओं से सुबह नौ बजे से 11 बजे के बीच 'प्रभात फेरी' निकालने और पार्टी की युवा शाखा के नेताओं से बाइक के जरिए तिरंगा यात्रा निकालने को कहा। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी से अपने घरों पर 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच तिरंगा लगाने का आग्रह किया है। जोशी ने कहा कि पार्टी के नेता 11 से 13 अगस्त तक बूथ स्तर तक प्रभात फेरी निकालेंगे और इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन 'रघुपति राघव राजा राम' और राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' का गायन करेंगे।

नड्डा ने अपने संबोधन में सांसदों से कहा कि इन कार्यक्रमों के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें और उन बूथों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने का कहा, जहां पिछले चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पार्टी 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' भी मनाएगी। भारत के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि के रूप में सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के लिए 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने का फैसला किया था। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी घोषणा की थी।

संसदीय दल की बैठक में नड्डा ने मध्य प्रदेश के स्थानीय निकाय के चुनाव सहित हाल के अन्य चुनावों में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। पांच अगस्त को भाजपा के सांसदों की एक बैठक होगी जिसमें छह अगस्त को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और विपक्ष की संयुक्त उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा से है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री, अन्य भाजपा नेताओं ने अपने डिस्प्ले' तस्वीर पर तिरंगा लगाया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित सत्ताधारी पार्टी के अन्य नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट की 'डिस्प्ले' तस्वीर पर मंगलवार को 'तिरंगा लगाकर लोगों से भी ऐसा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि 'आजादी का अमृत महोत्वस जन आंदोलन में बदल रहा है और उन्होंने लोगों से दो अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने सोशल मीडिया खातों पर प्रोफाइल तस्वीर के रूप में 'तिरंगा' लगाने का अनुरोध किया था। पीएम मोदी ने सुबह ट्वीट किया, दो अगस्त का आज का दिन खास है। जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, त्तब में हमारा देश तिरंगे का सम्मान करने की सामूहिक मुहिम के तहत 'हर घर तिरंगा' के लिए तैयार है। मैंने मेरे सोशल मीडिया पेज पर डीपी (डिस्प्ले तस्वीर) बदल दी है और मैं आप से भी ऐसा करने का आग्रह करता हूं। पीएम मोदी ने तिरंगे का डिजाइन तैयार करने वाले पिंगली वेंकैया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, हमारा देश हमें तिरंगा देने के उनके प्रयासों के लिए हमेशा उनका ऋणी रहेगा। हमें अपने तिरंगे पर बहुत गर्व है। मैं कामना करता हूं कि तिरंगे से ताकत एवं प्रेरणा लेते हुए हम राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करते रहें। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने भी अपने सभी सोशल मीडिया पेज की डीपी में तिरंगा लगाकर ट्वीट कर कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव को यादगार बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आज अपनी सभी सोशल मीडिया प्रोफाइल फोटो पर तिरंगा लगाया। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपना प्यार और सम्मान दिखाने के लिए मैं सभी से अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की डीपी पर तिरंगा लगाने की अपील करता हूं। नड्डा ने भी अपने सोशल मीडिया पेज की डीपी में तिरंगा लगाया और पिंगली वेंकैया को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, ''देश की एकता, अखंडता और प्राचीन संस्कृति का प्रतीक भारतीय राष्ट्रीय ध्वज देशवासियों में सदैव देश के प्रति प्रेम-समर्पण की भावना जागृत करता है।''

एमएलसी चुनाव में अखिलेश यादव के जनजातीय दांव को झटका

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को बड़ा झटका लगा है। सपा प्रत्याशी कीर्ति कोल का पर्चा खारिज कर दिया गया है। ऐसे में भाजपा के दोनों प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। सपा ने कीर्ति कोल को मैदान में उतारकर जनजातीय दांव खेला था। दो सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को ही भाजपा की तरफ से धर्मेंद्र सिंह सैंथवार और निर्मला पासवान के साथ ही सपा की तरफ से जनजातीय समाज से आने वाली कीर्ति कोल ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। मंगलवार को पर्चा जांच शुरू हुई तो कीर्ति कोल के नामांकन में खामियां मिलीं। बताया जाता है कि कम उम्र के चलते कीर्ति कोल का नामांकन पत्र खारिज किया गया है। विधान परिषद सदस्य के निर्वाचन के लिए न्यूनतम 30 वर्ष की आयु होनी चाहिए लेकिन समाजवादी पार्टी की विधान परिषद उम्मीदवार कीर्ति कोल ने नामांकन पत्र में अपनी उम्र 28 वर्ष दिखाई थी। इसके चलते रिटर्निंग अफसर की तरफ से नामांकन पत्र की जांच के दौरान इसे खारिज कर दिया गया। कीर्ति कोल का नामांकन खारिज होने से भाजपा के दोनों उम्मीदवारों धर्मेंद्र सिंह और निर्मला पासवान का निर्विरोध निर्वाचित तय हो जाएगा।

केरल में पहली मौत के बाद मंकीपॉक्स का खौफ बढ़ा, राजस्थान-दिल्ली सहित कई राज्यों में नये मामले

नई दिल्ली । कोरोना के बाद अब मंकीपॉक्स वायरस को लेकर दुनिया परेशान है विश्व के सामने इसका खतरा मंडराने लगा हैं। मंकीपॉक्स को लेकर कई तरह की गाइडलाइन फॉलो की जा रही है लेकिन बावजूद इसके दिन प्रतिदिन मंकीपॉक्स के नये मामले सामने आ रहे हैं। राजस्थान में मंकीपॉक्स का नया मरीज मिलने के साथ ही भारत में मंकीपॉक्स के कुल सात सामले हो गये हैं जिसमें से एक की मौत भी हो की हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान में भी मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध मरीज मिला। उन्होंने बताया कि राज्य में 20 वर्षीय एक युवक को पिछले चार दिनों से बुखार और शरीर पर दाने होने की शिकायत के बाद एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजस्थान में मंकीपॉक्स का पहला संदिग्ध मामला सामने आया है। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि बीमारी के लक्षणों वाले 20 वर्षीय व्यक्ति को यहां के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके नमूने पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजे गए हैं। रविवार देर रात युवक को किशनगढ़ से रेफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें मंकीपॉक्स के मामलों के लिए बनाए गए विशेष वार्ड में निगरानी में रखा गया है। डॉ सिंह ने कहा युवक पिछले चार दिनों से बुखार से पीड़ित है और उसके शरीर पर चकत्ते हैं। इससे पहले भारत में का छठा मामला सामने आया था। दिल्ली में 35 वर्षीय एक नाइजीरियाई व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं, देश में मंकीपॉक्स से मौत का पहला मामला केरल में दर्ज किया गया। भारत में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए एक कार्यबल गठित किया। दिल्ली में सोमवार को मंकीपॉक्स का दूसरा मामला दर्ज किया गया। हालांकि, जिस नाइजीरियाई व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई, उसका हाल-फिलहाल में विदेश यात्रा करने का कोई इतिहास नहीं है। मंकीपॉक्स से संक्रमित मिले नाइजीरियाई व्यक्ति को सरकारी एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो राष्ट्रीय राजधानी में इस संक्रमण के इलाज के लिए नोडल अस्पताल है। नाइजीरियाई व्यक्ति पिछले पांच दिनों से बुखार से जूझ रहा है और उसके शरीर पर दाने भी हैं। उन्होंने बताया कि संक्रमित के हाल-फिलहाल में विदेश या देश में यात्रा करने का कोई इतिहास नहीं है। सूत्रों के अनुसार, नाइजीरियाई व्यक्ति के नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) भेजे गए थे और सोमवार शाम आई जांच रिपोर्ट से उसमें संक्रमण की पुष्टि हो गई। उन्होंने बताया कि एलएनजेपी अस्पताल में अफ्रीकी मूल के दो और संदिग्ध मरीजों को भी भर्ती कराया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस ने शराब डालकर जब्त कर लिया.

सूरत के सचिन में एक महिला बूटलेगर अपने पति और ससुर के साथ घर पर शराब बना रही थी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन के भाटिया गांव में रहने वाली एक महिला शराब तस्कर ने अपने पति और ससुर के साथ मिलकर घर में शराब बनाने की भट्टी शुरू

की. बारबरा लठकांडा के बाद पुलिस द्वारा सख्ती के बीच दिखाई गई.

सूरत के भाटिया गांव में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ ने सोमवार रात एक महिला शराब तस्कर, पति और ससुर को गिरफ्तार किया है. सूचना फैलाई गई कि महिला जयश्रीबेन, पति सुरेश और ससुर खलपाभाई राठौर अपने ही घर में देशी शराब बनाने के लिए भट्टी चला रहे थे। पुलिस को यहां से एक जिंदा शराब की भठ्ठी मिली। देशी शराब की मात्रा, इसे बनाने में प्रयुक्तकेमिकल सहित सामग्री को जब्त कर तीनों को गिरफ्तार कर सचिन पुलिस को सौंप दिया गया है.

उल्लेखनीय है कि बरवाला लट्ठक्कड़ के बाद प्रदेश भर की पुलिस देशी शराब की भठ्ठियों और शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सूरत में भी पुलिस हर जगह जांच कर रही है। ऐसे में लाल तो पुलिस की ओर से किया जा रहा है, लेकिन जैसे-जैसे शराब तस्करों ने घर में छोटी भट्टी शुरू की है, पुलिस का काम भी चुनौती भरा हो गया है.

आय से अधिक संपत्ति मामले में सूडा के सेवानिवृत्त नगर योजनाकार गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूडा के एक सेवानिवृत्त जूनियर टाउन प्लानर की आय से अधिक संपत्ति एसीबी की जांच में सामने आई है। एसीबी स्टाफ ने तत्कालीन

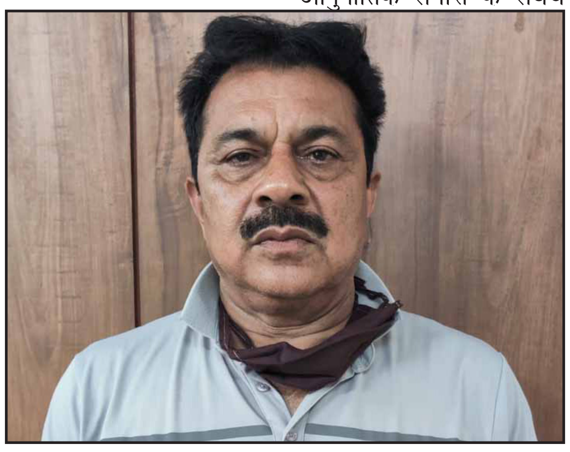

जूनियर टाउन प्लानर खेर मोहम्मद जान मोहम्मद सेघी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है.

इसके अलावा, एसीबी स्टाफ ने कहा कि एसीबी में तत्कालीन जूनियर टाउन प्लानर खेर मोहम्मद की आनुपातिक संपत्ति के संबंध में एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जो द्वितीय श्रेणी के कर्मचारी थे, जो पहले सूडा में सेवा कर रहे थे। इस संबंध में एसीबी कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कनिष्ठ नगर नियोजक की वैध आय की जांच की। जिसमें खेर मोहम्मद की तत्कालीन वैध आय 1-1-12 से 30-6-18 तक 34.14 लाख यानि 37.62 प्रतिशत आय से अधिक संपत्ति के मुकाबले 90.76 लाख थी। 1985 में सर्वेयर के रूप में शामिल होने के बाद,

खेर मोहम्मद को वर्ष 2018 में टाउन प्लानिंग ऑफिसर के रूप में स्थानांतरित किया गया और 30 जून-2018 को सेवानिवृत्त हुए। एसीबी की जांच में पता चला कि आरोपी खेर मोहम्मद के पास आय से अधिक संपत्ति थी।

3 लाख रिश्वत में से 1.70 लाख पहले ही ले चुके थे

सूरत के पुणे थाने के पीएसआई जयदीप सिंह राजपूत 1.30 लाख की रिश्वत लेते पकड़े गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पुणे पुलिस थाने में पीएसआई के पद पर कार्यरत जयदीप सिंह राजपूत को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने लग्जरी बस में शराब ले जाते समय 5 लाख रुपये रंगदारी की कोशिश करते हुए पकड़ा है. अंत में 3 लाख की रिश्वत तय

कर 1.70 लाख रुपये लिए गए और PSI को 1.30 लाख की और लेते हुए पकड़ लिया गया. साथ ही रिश्वत लेने वाले एक निजी व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है।

शराब मामले में लग्जरी बस के मालिक का नाम नहीं लिखने के लिए रिश्वत की मांग करते हुए पुणे थाने की सीमा में एक लग्जरी बस से शराब जब्त की गई है. शराब मामले में गिरफ्तार आरोपी को ट्रेवल्स के मालिक के बारे में जानकारी मिली. लग्जरी बस के मालिक से संपर्क किया गया तो उसने इस मामले में अपना नाम नहीं लिखने पर पांच लाख रुपये की मांग की. ट्रेवल्स के मालिक को तीन लाख रुपये देने का फैसला किया गया। ट्रेवल्स के मालिक ने कल पीएसआई को 1 लाख 70 हजार रुपये डिलीवर किए। इस पैसे को पीएसआई जयदीप सिंह राजपूत के निजी जियाउद्दीन अब्दुल रहीम सैयद उर्फ जीवा ने स्वीकार किया था। पीएसआई से 1.30 लाख रुपये और मांगे गए शिकायतकर्ता ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा पैसे लेने आए जयदीप सिंह के निजी व्यक्तिजियाउद्दीन
अब्दुल रहीम सैयद को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पुणे थाने के सामने सार्वजनिक सड़क पर पकड़ लिया. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने साक्ष्य के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की।

गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले आप ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे गिनती के महीने शेष रह गए हैं और उसकी घोषणा से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस घोषणा के साथ आप गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले उम्मीदवारों का ऐलान करनेवाली पहली पार्टी बन गई है। उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए आप ने दावा किया है कि उसने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए स्वच्छ छवि और शैक्षिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को जगह दी है। आप का कहना है कि वह उम्मीदवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में हर व्यक्ति तक पहुंच कर अपनी बात बता सके,

First List of Candidates

S. No.	Name	Assembly Name
1	Bhemabhai Choudhary	Deodar
2	Jagmal Vala	Somnath
3	Arjun Rathva	Chhota Udaipur
4	Sagar Rabari	Bechraji
5	Vashram Sagathiya	Rajkot Rural
6	Ram Dhaduk	Kamrej
7	Shivlal Barasia	Rajkot South
8	Sudhir Vaghani	Gariadhar
9	Rajendra Solanki	Bardoli
10	Omprakash Tiwari	Naroda

इसके लिए उम्मीदवारों की घोषणा जल्दीकी गई है। ज्यादा समय मिलने से उम्मीदवार और जनता अपने उम्मीदवार को अच्छी तरह जान सके और तालमेल बना सके। गुजरात विधानसभा चुनाव के आप ने उत्तरी गुजरात के मेहसाणा जिले के बेचराजी सीट से किसान नेता सागर रबारी को उम्मीदवार घोषित किया है। दियोदर सीट से भेमा चौधरी, सोमनाथ से सामाजिक कार्यकर्ता जगमाल वाला, छोटाउदेपुर से आदिवासी समाज के नेता अर्जुन राठवा, राजकोट ग्रामीण से दलित समाज के नेता वसराम सागठिया, कामरेज से सामाजिक कार्यकर्ता राम धडूक, राजकोट दक्षिण सीट से व्यापारी नेता शिवलाल बारसिया, गारियाधार से सुधीर वाघाणी, बारडोली से राजेन्द्र सोलंकी और पूर्वी अहमदाबाद की नरोडा विधानसभा सीट से ओम प्रकाश तिवारी को आप उम्मीदवार घोषित किया है।

कबूतरबाजी से ठगी करने वाले दो शख्स गिरफ्तार, 1.58 करोड़ का लगाया था चूना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर की नवरंगपुरा पुलिस ने विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों से ठगी करनेवाले दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े आरोपियों ने कबूतरबाजी से रु 1.58 करोड़ की रकम विद्यार्थियों से ऐंठी थी। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र के सीजी रोड स्थित चंदन कॉम्प्लेक्स में अनंत सुथार और रवि सुथार ने ट्रावेल्स एज्युकेशन नाम से विजा कंसल्टिंग ऑफीस शुरू की थी। रिश्ते में चचेरे भाई चंदन और अनंत ने विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों को कनाडा, अमेरिका समेत अन्य देशों का स्टूडंट विजा और वर्क परमिट दिलाने का झांसा देकर रु 1 करोड़ 58 लाख 43 हजार रुपए लिए थे। विद्यार्थियों को डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का चूना लगाकर अनंत और रवि दोनों अपनी ऑफीस बंद कर फरार हो गए। विजा और वर्क परमिट के लिए लाखों रुपए देनेवाले विद्यार्थी ऑफीस का चक्कर लगाने लगे। कई दिनों तक जब ऑफीस नहीं खुली तो नवरंगपुरा पुलिस थाने में अनंत सुथार और रवि सुथार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। शिकायत मिलने पर हरकत में आई नवरंगपुरा पुलिस ने अनंत और रवि को गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में आरोपियों ने अब तक 30 जितने लोगों से ठगी की होने का खुलासा हुआ

पानी और हाइड्रोजन मिलाकर होगी गैस की सप्लाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुआ है। इस प्रोजेक्ट में एनटीपीसी सूरत के कवास स्थित 200 घरों की टाउनशिप में गैस की आपूर्ति की जाएगी। इस गैस में निश्चित मात्रा में पानी और हाइड्रोजन मिलाकर गैस को घरेलू उपयोग के लिए 200 घरों को उपलब्ध कराया जायगा। आर्थिक दृष्टि से यह काफी सस्ती गेस होगी, प्रदूषण भी कम होगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान उज्जवल भारत- उज्जवल भविष्य 2047 के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्लांट का भूमि पूजन किया था।

प्रदूषण कम होगा प्राकृतिक गैस में कार्बन अधिक होता है। इससे कार्बन डाइऑक्साइड ज्यादा पैदा होता है। गैस में हाइड्रोजन और पानी मिलाकर जो गेस तैयार होगी। उससे प्रदूषण कम होगा। प्रोजेक्ट को सस्ता करने के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक उपायों का भी ध्यान रखा गया है। पानी से हाइड्रोजन को पृथक करने के लिए यंत्र का संचालन, सोलर ऊर्जा के माध्यम से होगा। जिसके कारण यह वर्तमान की तुलना में सस्ता विकल्प होगा।